जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 32 | संख्याः 208 | प्रभात | उदयपुर, रविवार 1 जून, 2025 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

'मुझे गर्व है कि भारत-पाक के बीच युद्ध को मैंने "व्यापार" से रूकवाया, बंदूक की गोलियों से नहीं'

एक दिन में दूसरी बार, ट्रम्प ने जताया कि उन्होंने भारत-पाक का "न्यूक्लियर युद्ध" अपने व्यापार की ताकत से रूकवाया

- ट्रम्प ने भारत व पाकिस्तान को एक तराजू में तोला, यह भारत के लिए बहुत नाजायज़ बात है, क्योंकि युद्ध पहलगाम की घटना से शुरु हुआ, न कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर से।
- भारत का मल्टी पार्टी संसदीय प्रतिनिधिमंडल भी यह ही बात विदेश में कह रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल, तीन जून को वॉशिंगटन पहुंचेगा, गियाना, पनामा, कोलम्बिया और ब्राज़ील का अपना दौरा खत्म करके।
- जैसा कि विदित ही है, इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शशि थरूर कर रहे हैं।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा कि जिस डील पर उन्हें सबसे ज्यादा गर्व है, वो यह है कि वे व्यापार के जरिए भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोकने में सफल हुए।

गत कुछ सप्ताह में ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि वे दोनों युद्ध नहीं रोकेंगे, तो वे व्यापार बंद कर देगें।

यद्यपि गुरुवार को ही नई दिल्ली ने कहा कि पाकिस्तान के साथ टकराव के दौरान अमेरिका से वार्ता में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा था। एक तरह से भारत ने वाशिंगटन के इस दावे को ठुकरा दिया था कि उसने युद्ध बंद नहीं करने पर व्यापार बंद करने की धमकी दी थी। यह दावा खुद ट्रंप ने कई बार किया है।

ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि, मुझे लगता है कि जिस डील पर मुझे गर्व है, वह यह है कि हम भारत से डील कर रहे हैं, हम पाकिस्तान से डील कर रहे हैं और हम व्यापार के जरिए न्यूक्लियर वॉर रोकने में समर्थ हुए।

ट्रंप ने कहा, "आम तौर पर वे गोलियों से ऐसा करते हैं। हम व्यापार के जरिए ऐसा करते हैं, इसलिए मुझे इस पर गर्व है। कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है पर भारत और पाक के बीच बहुत खतरनाक युद्ध चल रहा था। दोनों परमाणु क्षमता संपन्न देशों के बीच का युद्ध बहुत बुरा होता जा रहा था।" ट्रंप ने यह भी बताया कि अगले सप्ताह पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका आ रहा है। ट्रंप ने कहा कि "जैसा आप जानते है हम इंडिया से डील करने के काफी करीब हैं।"

ट्रंप ने कहा, अगर वे दोनों एक दूसरे से युद्ध करते रहते तो मैं डील नहीं करता और मैने उन्हें यह बात बता दी थी।"

एक ही दिन में ट्रंप ने दो बार यह बात कही कि हमने भारत और पाकिस्तान को युद्ध करने से रोक दिया। मुझे यकीन था, इनका टकराव परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में एक प्रेस कान्फ्रेंस में यह बात कही। इसमें उनके साथ एलन मस्क भी थे, जिन्होंने ट्रंप प्रशासन को छोड़ दिया है। वे सरकारी कार्यकुशलता विभाग के प्रमुख थे।

ट्रंप ने आगे कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं को धन्यवाद देना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेड़ काटने के आरोपी को पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत

जयपुर, 31 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर पालिका के पार्क से पेड़ काटने से जुड़े मामले में आरोपी को उसी पार्क में नीम और पीपल आदि के 15 पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत का लाभ दिया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश

- हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि नगर पालिका झालरापाटन के ईओ की उपस्थिति में आरोपी पौधारोपण करे व एक साल तक पौधे की देखभाल करे।

रमेश चन्द की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता नगर पालिका ईओ की उपस्थिति में पौधारोपण करेगा और उनकी कम से कम एक साल तक देखभाल करेगा। वहीं, ईओ समय-समय पर यह जांच करेंगे कि याचिकाकर्ता इन पौधों की देखरेख कर रहा है या नहीं। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि इस निर्देश को सजा के तौर पर नहीं देखा जाए और इसे याचिकाकर्ता की स्वेच्छा से सेवा मानी जाए। अदालत ने कहा कि वैसे हर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना डिफैंस बजट बढ़ाने की सलाह दी'

'सुसज्जित सेना व संगठित सेना ही चीन को रोक पायेगी'

- शांग्रीला कॉन्फ्रैंस, जिसमें एशिया के लगभग सभी देश शामिल हो रहे हैं, की सिंगापुर में आयोजित बैठक में अमेरिका ने चीन के आक्रामक रवैये का उदाहरण देते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताईवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। अतः अपना-अपना डिफैंस बजट बढ़ाकर साउथ ईस्ट एशिया के देशों को संगठित होना पड़ेगा, चीन का सामना करने के लिए।
- चीन ने इस शांग्रीला कॉन्फ्रैंस से अपने आपको दूर ही रखा है, शायद अमेरिका के डिफैंस सैक्रेटरी से मुलाकात टालने के लिए। क्योंकि, अमेरिका का मानना है कि अमेरिका तो ताईवान के साथ खड़ा ही है, पर एशिया के और देशों को भी अपनी सेना व आर्थिक मदद देनी चाहिए।
- अमेरिका का सुझाव है, एशिया में भी नाटो जैसा संगठन खड़ा करना चाहिए।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका ने एशिया में चीन की आक्रामकता के खिलाफ सामूहिक रक्षा तैयारियों और व्यापक सहयोग का आव्हान करते हुए अपने एशियाई सहयोगियों से रक्षा बजट बढ़ाने और तैयारियों को मजबूत करने की अपील की है।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हैगसथ ने चीन को एशिया में सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताइवान पर हमला करने की सैन्य ड्रिल कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संप्रभु और स्वतंत्र ताइवान पर किसी भी हमले को अमेरिका मूक दर्शक बनकर नहीं देखेगा।

हालांकि, हैगसथ ने जोर देकर यह भी कहा कि ताइवान की रक्षा केवल अमेरिका की नहीं, बल्कि पूरे एशिया की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने दोहराया कि ताइवान हमेशा से एक स्वतंत्र राष्ट्र रहा है, और कम्युनिस्ट चीन ने कभी उस पर शासन नहीं किया।

हैगसथ सिंगापुर में आयोजित प्रसिद्ध शांग्री-ला कॉन्फ्रैंस में बोल रहे थे, जिसे सिंगापुर सरकार और अंतरराष्ट्रीय सामरिक अध्ययन संस्थान (इन्टर नैशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज़) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। यह एशिया का एक प्रमुख वार्षिक सम्मेलन है, जिसमें सभी एशियाई देशों के रक्षा प्रमुख क्षेत्र के सामरिक मामलों पर विचार-विमर्श करते हैं।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस.) जनरल अनिल चौहान कॉन्फ्रैंस में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहाँ उन्होंने पहली बार यह स्वीकार किया कि पाकिस्तान के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हाँ, हमने पाकिस्तान से युद्ध में कुछ विमान खोए'

पहली बार भारत ने कुछ भारतीय विमान मार गिराये जाने की बात स्वीकार की

- सिंगापुर में आयोजित शांग्रीला कॉन्फ्रैंस में भारत के चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ ने इस बात पर भी जोर देकर कहा कि "कितने भारतीय विमान मार गिराये गये यह संख्या महत्व नहीं रखती। महत्व इस बात का है कि हमने जान लिया, हमसे क्या गलती हुई थी और अब उन गलतियों को सुधार लिया गया है।"

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 मई। भारतीय सेना ने आज पहली बार इस बात की पुष्टि की कि पाकिस्तान के साथ मई में हुई लड़ाई में, सेना ने अनिर्दिष्ट (अनस्पेसिफाइड) संख्या में फाइटर जैट खोये थे। सेना ने यह भी कहा कि चार दिन तक चली वह लड़ाई न्यूक्लियर युद्ध के कगार तक नहीं पहुंची थी।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं के चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ, अनिल चौहान ने शनिवार को ब्लूमबर्ग टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, "महत्वपूर्ण बात यह नहीं कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे। अनिल चौहान इस समय "शाँगरी-ला डायलॉग" में शिरकत करने सिंगापुर गये हुए हैं।

उन्होंने पाकिस्तान के इस दावे को "पूरी तरह गलत" बताया कि उसने छः भारतीय लड़ाकू विमान मार गिराये। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट करने से इनकार कर दिया कि भारत ने कितने जैट खोये थे।

जब चौहान से लड़ाकू जैट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "वे क्यों गिराये गये, क्या गलतियां हुई थीं, यह महत्वपूर्ण है। संख्या महत्वपूर्ण नहीं है।"

चौहान ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के इस दावे पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अमेरिका ने न्यूक्लियर युद्ध को रोकने में मदद की। लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि यह कहना "काल्पनिक" है कि कोई भी पक्ष परमाणु हथियारों के उपयोग के करीब था।

उन्होंने कहा, "मेरा निजी रूप से मानना है कि परम्परागत सैन्य कार्यवाही एवं न्यूक्लियर युद्ध की शुरूआत के बीच बहुत बड़ा फासला है।" उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पाकिस्तान के साथ संवाद के रास्ते "सदैव खुले हुए थे।" उन्होंने कहा कि लड़ाई के चरम स्तर पर पहुंचने से पहले, "कई ऐसे उप-स्तर भी थे, जिन्हें अपने विवादों को निबटाने के लिए काम में लिया जा सकता था", तथा न्यूक्लियर हथियारों के विकल्प को काम में लेने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

चौहान ने पाकिस्तान द्वारा चीन तथा अन्य देशों से प्राप्त हथियारों की प्रभावशीलता के दावों को भी महत्वहीन बताया तथा कहा कि वे हथियार "कारगर नहीं हुए।" भारत के रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बागीदौरा विधायक के सहयोगी को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 31 मई। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने विधानसभा में उठाए गए सवालों को वापस लेने के बदले रिश्वत लेने से जुड़े मामले में बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के चचेरे भाई और सहयोगी विजय कुमार पटेल की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन

- विधानसभा में उठाये सवाल वापस लेने के बदले रिश्वत प्रकरण में एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने जमानत अर्जी खारिज की।

अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रकरण में अनुसंधान लंबित है और आरोपी पर गंभीर आरोप हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। अदालत पूर्व में एमएलए की जमानत अर्जी को भी खारिज कर चुकी है।

जमानत अर्जी में कहा गया कि न तो उसने परिवादी से रिश्वत की मांग की है और न ही उसे रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में ट्रायल पूरी होने में लंबा समय भी लगेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बीकानेर में पाकिस्तान ने आर्मी व एयरफोर्स की टोह लेने के लिए ड्रोन भेजे थे'

बीएसएफ के डीआईजी अजय लूथरा ने यह भी कहा कि बीएसएफ की सतर्कता से पाकिस्तान अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाया

- लूथरा ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भेजे गए सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने तुरंत आर्मी व एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिन्होंने पाक के प्रयास को विफल कर दिया।
- लूथरा ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान के ड्रोन आने की तमाम जानकारियाँ दी।
- लूथरा ने बताया कि अब हम अपनी बटालियन के साथ सीमा क्षेत्र में "ऑपरेशन शील्ड" के तहत मॉक ड्रिल कर रहे हैं।

बीकानेर, 31 मई। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डीआईजी (बीकानेर सेक्टर) अजय लूथरा ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान, बॉर्डर के इलाकों को निशाना बनाने की फिराक में था। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान, भारतीय सेना और एयरफोर्स के मूवमेंट की जानकारी लेना चाह रहा था। अधिकांश ड्रोन चीन और टर्की के बने हुए थे। इन सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने समय रहते आर्मी और एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिसके दम पर इन्हें विफल कर दिया गया।

शनिवार को बीएसएफ के डीआईजी ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमलों से जुड़ी तमाम जानकारियां दीं। उन्होंने कहा, बीएसएफ ने न सिर्फ सीमा की रक्षा की, बल्कि एयरफोर्स और आर्मी को लगातार इनपुट दिए, जिनके दम पर पाकिस्तान की सभी नापाक कोशिशों को नाकाम किया गया। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान, बीकानेर सेक्टर (बीएसएफ) ने पूरी मुस्तैदी के साथ अपने काम को अंजाम दिया था। लूथरा ने बताया, "जैसलमेर और बीकानेर में पाकिस्तानी ड्रोन बड़ी संख्या में पाकिस्तान ने भेजे थे। जो पाकिस्तानी ड्रोन बीकानेर की तरफ आए थे, वे सर्विलांस करने आए थे। उनका मकसद सैन्य गतिविधियों की जानकारी करना था। 7 से 11 मई के बीच हम पाकिस्तान के हर हमले का जवाब देने के लिए तैयार थे। हम दुश्मन की एक-एक हरकत पर नजर रखे हुए थे। वो कुछ भी करता तो हम उसका माकूल जवाब देने में सक्षम थे।"

ऑपरेशन शील्ड के तहत आज (शनिवार) हो रही मॉकड्रिल में बीएसएफ भी एक्टिव है। बीकानेर दौरे पर प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि अगर वो एक गोली मारेंगे तो हम पूरा गोला मारेंगे। इसी संदर्भ में हम ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉकड्रिल कर रहे हैं। अजय लूथरा ने कहा- हम अपनी बटालियन के सेक्टर एरिया में संवेदनशील जगहों पर मॉकड्रिल कर रहे हैं। हमारे कैंपस में ही कोई गड़बड़ी होती है तो इससे कैसे निपटा जाएगा? इस पर भी काम करेंगे। बॉर्डर एरिया में अगर कोई नुकसान दुश्मन करता है तो वहां से लोगों को कैसे निकाला जा सकता है, इसकी भी मॉकड्रिल की जाएगी।

डीआईजी लूथरा ने बताया कि भारत-पाक सीमा से सटे गांवों में सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। सेंट्रल पीडब्ल्यूडी ने टेंडर कर दिया है, लेकिन परिस्थितियां बदलने के कारण ये काम रुक गया था। अब जल्दी ही सड़कों को सही करने का काम शुरू करवाया जाएगा। 1971 के युद्ध में भारतीय सेना के साथ मिलकर पाकिस्तान को पराजित करने में बीएसएफ की निर्णायक भूमिका रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बीएसएफ को 'प्रथम रक्षा पंक्ति' की उपाधि दी थी। ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ ने फिर से उसी सम्मान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई'

जयपुर, 31 मई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक दिवसीय जयपुर दौरे के दौरान बड़ा बयान दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर खुलासा किया। जेपी नड्डा ने बताया कि क्यों बने भजनलाल शर्मा

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने, "भजनलाल मुख्यमंत्री क्यों बने" के प्रश्न पर यह टिप्पणी की और कहा, वे प्रधानमंत्री मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुँचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री। उन्होंने कहा ये विचारधारा के सच्चे सिपाही हैं, जो दिन-रात मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी आक्रामक रूख अपनाकर पाकिस्तान के साथ युद्ध के कथानक पर काबिज होना चाहते हैं?

यह जरूरी इसलिए भी हो गया है, क्योंकि मोदी के प्रबलतम समर्थकों में थोड़ी बेचैनी है कि जीतते हुए युद्ध के बीच भारत ने "सीज़फायर" को क्यों स्वीकार किया

- देश में उभर रही आंतरिक बैचेनी को थामने के लिए ही नहीं, मोदी का आक्रामक होना इसलिए भी जरूरी है, ताकि, पाकिस्तान के प्रपोगैण्डा को "काउंटर" किया जाए।
- पाकिस्तान यह स्थापित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत दबाव में आ गया था, इसलिए भारत ने युद्ध को "ठण्डा" करने का निर्णय लिया।
- मोदी की आक्रामक शैली से राष्ट्रीय गौरव व गुरूर को छाने का मौका मिलता है तथा बेरोज़गारी, महंगाई व सुस्त इकॉनमी पर बहस, "बैक ग्राउण्ड" में चली जाती है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मई 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों में हाल ही में भारी तेजी आई है, जिसमें राष्ट्रवादी भाषणों और पाकिस्तान पर आक्रामक तेवरों की भरमार है। इन रैलियों में राष्ट्रीय नैरेटिव पर दोबारा नियंत्रण पाने की एक रणनीतिक कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब सरकार बढ़ती जांच और आलोचना का सामना कर रही है।

भारत की सैन्य कार्रवाई जिसमें उसे बढ़त प्राप्त थी, को अचानक रोक देने से घरेलू स्तर पर खासा असंतोष हो गया है, विशेष रूप से मोदी के कोर राष्ट्रवादी वोटबैंक में। समझा जाता है। यह कदम अमेरिका के दबाव में उठाया गया। इसीलिए मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा में के मुद्दों पर और भी ज्यादा ज़ोर दे रहे हैं, और बालाकोट एयरस्ट्राइक तथा सर्जिकल स्ट्राइक जैसी पुरानी सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख कर, स्वयं को एक निर्णायक और मज़बूत नेता के रूप में दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यह आक्रामक अभियान कई उद्देश्यों को साधता है, पर सबसे बढ़कर यह असल में नुकसान की भरपाई का प्रयास हैं। किसी स्पष्ट स्पष्टीकरण के बिना सैन्य कार्रवाई को अचानक समाप्त कर देना सरकार को आलोचना के घेरे में ले आया है।

विपक्ष अब रणनीतिक पारदर्शिता, भारत की संप्रभुता पर विदेशी प्रभाव और यह सवाल उठा रहा है कि भारत ने कथित रूप से बढ़त के बावजूद पीछे हटने का निर्णय क्यों लिया। लेकिन मोदी ने इन सवालों का प्रत्यक्ष रूप से जवाब नहीं दिया है। इसके बजाय, वह भावनात्मक रूप से तीव्र सार्वजनिक भाषणों और देशभक्ति की छवियों का उपयोग करके जनता का ध्यान दूसरी ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

इस प्रकार की बयानबाज़ी के पीछे एक महत्वपूर्ण प्रेरणा पाकिस्तान के उस अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव को काटना भी है, जिसमें यह दिखाया गया कि भारत ने दबाव में आकर तनाव कम किया। मोदी का आक्रामक स्वर इस धारणा को कमजोर करने और घरेलू व वैश्विक दोनों प्रकार के लोगों के लिए भारत की शक्ति का संकेत देने के लिए तैयार किया गया है। भारत की पूर्ववर्ती आक्रामकता और भविष्य की तत्परता पर ज़ोर देकर मोदी यह प्रयास कर रहे हैं कि भारत की क्षेत्रीय प्रभुत्व की स्थिति दोबारा स्पष्ट की जाए, साथ ही स्वयं को एक ऐसे वैश्विक नेता के रूप में पेश किया जाए जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपट सकता है।

यह अभियान संघ परिवार के भीतर से उठ रही असहमति और दबाव को भी निष्क्रिय करने की एक कोशिश है, खासकर आरएसएस के उन तत्वों से, जो संघर्षविराम से असहज बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का नैरेटिव उनकी परंपरागत समर्थन आधार के साथ वैचारिक सामंजस्य को पुनः पुष्टि करता है और आगामी चुनावों से पहले उनके जोश को फिर से जगाने का प्रयास करता है। घरेलू स्तर पर, रैलियों की यह बाढ़ बेरोज़गारी, महंगाई और सुस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर पश्चिम राज्यों में मॉक ड्रिल

नयी दिल्ली, 31 मई। केन्द्र सरकार के निर्देश पर उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती राज्यों में आज 'आपरेशन शील्ड' के तहत, वायु हमलों से बचाव के लिए मॉक ड्रिल की गई।

केन्द्र शासित जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अलग अलग स्थानों में हुए इस अभ्यास में सिविल

- राजस्थान, जम्मू कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब व गुजरात में "ऑपरेशन शील्ड" के तहत मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

डिफेन्स और विभिन्न सरकारी एजेंसियों ने जनभागीदारी के साथ हवाई हमले से बचाव के प्रदर्शन किए।

सूत्रों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में अमर सिंह निवास में आयोजित इस मॉक ड्रिल में विभिन्न सरकारी और सिविज एजेंसियों ने भाग लिया। जम्मू में भी जिला प्रशासन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो एकांत में खुश रहता है वो या तो पशु है या देवता। –अज्ञात

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है:–**हरित्समुच्चयः शुभहेतुरेषः, स्वस्थंशरीरंमनसश्चशान्तिम्। विनाशयत्याशुगदांस्तथान्याः, सृजत्ययुंदीर्घमथोसमृद्धिम्॥** तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल-धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है,बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों,जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना,जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समठाविवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research: 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियली मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

कामी-बर्नाल और साथियों (Health and Place: 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेह की घटनाएं कम थीं।

> **हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है।**

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3,2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301,2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप)में 0.1 की वृद्धि से कार्डियो वैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, 135-136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रेंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शन का उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health,141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116,2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749 स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई ने विशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:469-477, 2019)ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशततक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर,हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: **वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिंलभन्तेहृदये सदा वै। तनुः सुदृढ्यामनसः प्रसादं, विधायसेव्यंशमयेत्व्यथाश्च॥** तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार,वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्क का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही,सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

सांस्कृतिक मूल्यों का सृजक : "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ"

डॉ. निमिषा गौड

जीवन में मूल्यों का अत्यंत महत्व है। मूल्यों के बिना जीवन दिशाहीन हो जाता है। मानवीय मूल्यों से युक्त समाज ही सशक्त, संगठित और वैभवशाली राष्ट्र की आधारशिला रख सकता है। जब समाज अपनी शक्ति और सामर्थ्य के बल पर खड़ा होता है, तब वह न केवल आत्मनिर्भर, बल्कि नैतिक रूप से भी समृद्ध होता है। सांस्कृतिक मूल्य वे आदर्श, मान्यताएँ, परंपराएँ और व्यवहार के तरीके होते हैं जो किसी समाज या समुदाय की संस्कृति का मूल आधार बनाते हैं। ये मूल्य पीढ़ी दर पीढ़ी परंपराओं, धार्मिक विश्वासों, नैतिक शिक्षाओं और सामाजिक अनुभवों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं।

हिंदू समाज की सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और संगठन के उद्देश्य से100 वर्ष पहले 1925 में विजयादशमी के पावन अवसर पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। उस समय जब विदेशी आक्रांताओं और विभाजनकारी शक्तियों द्वारा हिंदू समाज की एकता को खंडित करने के प्रयास हो रहे थे, तब डॉ. हेडगेवार ने आत्मगौरव, अनुशासन और एकात्मता की भावना जगाने हेतु शाखा प्रणाली की शुरुआत की।

उन्होंने ऐसा तंत्र खड़ा किया जो राष्ट्रभक्ति, आत्मबल और सांस्कृतिक मूल्यों के विकास में सहायक हो। संघ अपने प्रकार का विशिष्ट संगठन है, जिसकी तुलना किसी अन्य से नहीं की जा सकती। इसलिए इसे केवल पढ़कर या सुनकर समझना कठिन है। संघ जो संगठन के रूप में दिखाई देता है, उसकी जो विचार सृष्टि है वह वस्तुतः शाश्वत भारतीय है।

यह विचार शुद्ध है, सत्य और स्थायी है। सत्य की प्रतिष्ठा तब ही संभव है जब उसके पीछे शक्ति खड़ी हो। विश्व-कल्याण और मानवता के उच्च विचारों के बावजूद भारतीय सनातन संस्कृति आक्रांताओं की शिकार बनी, क्योंकि समाज में शक्ति का अभाव था। इसलिए संघ ने समाज को सशक्त करने को अपना लक्ष्य बनाया। इसकी कार्यपद्धति का मूल है – व्यक्ति निर्माण। यह स्पष्ट है कि जब समाज का आचरण बदलता है, तो परिवेश स्वतः बदलता है। किंतु समाज का आचरण बदलने के लिए भी वातावरण का निर्माण करना पड़ता है, यही कार्य संघ करता है। संघ का मूल उद्देश्य है – हिंदू समाज को संगठित, संस्कारित और बलसंपन्न बनाना, जिससे वह मातृभूमि की रक्षा में समर्थ बन सके। उसका आदर्श वाक्य है–

–'**संघे शक्ति कलौयुगे**' अर्थात् इस कलियुग में शक्ति संगठन में निहित है और लक्ष्य है–'**परमवैभवं नेतुमेतत स्वराष्ट्र**' अर्थात इस राष्ट्र को परमवैभव सम्पन्न बनाना। जब समाज एक विचार, एक संकल्प और एक ध्येय से जुड़ता है, तभी एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होता है।

संघ केवल विचार नहीं देता, वह उन्हें जीवन में उतारने पर बल देता है। जैसे शारीरिक बल के लिए व्यायाम आवश्यक है, वैसे ही मानसिक और सांस्कृतिक बल के लिए साधना भी जरूरी है, जो शाखा के माध्यम से होती है। शाखा का संचालन परम पवित्र भगवा ध्वज को गुरु मानकर किया जाता है, जो आत्मगौरव, समर्पण, त्याग, शौर्य और आदर्शों का प्रतीक है। संघ समय और समाज की आवश्यकता के अनुसार स्वयं को ढ़ालने और बदलाव का स्वागत करने वाला संगठन है। संगठन संरचना और शाखाओं के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है, किन्तु संघ के शाश्वत मूल्य आज भी अडिग हैं।

शाखाओं में प्रतिदिन स्वयंसेवक एकत्र होते हैं – शारीरिक अभ्यास, खेल, गीत, बौद्धिक चर्चा और समरसता के वातावरण में राष्ट्रीय भावना को आत्मसात करते हैं। यह केवल संगठन नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण की प्रयोगशाला है। भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने वाली शक्तियों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक प्रभावशाली स्तंभ है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है जिसने पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम, सेवा और भारतीय संस्कारों और शाश्वत जीवन मूल्यों से जोड़ा है।

संघ की मान्यता है कि किसी राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान उसकी जीवन दृष्टि से बनती है, जो भाषा, भेष और सीमाओं से ऊपर उठकर एक समरस सांस्कृतिक समाज की कल्पना करती है। संघ की बैठकें, उत्सव, शाखाएँ और शिविर इस सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। मातृभूमि की रक्षा केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि क्रियात्मक होनी चाहिए। जैसे मंदिर की प्रतिमा की रक्षा संकट के समय आवश्यक होती है, वैसे ही राष्ट्र की रक्षा हेतु समाज को संगठित और सजग रहना चाहिए। संघ का स्वयंसेवक इस आदर्श को जीता है – वह केवल विचार नहीं करता, उसे आचरण में उतारता है।

संघ के स्वयंसेवकों के जीवन में भगवान परशुराम जैसे आदर्शों की प्रेरणा दिखाई देती है, जिन्होंने धर्म और पितृभक्ति की रक्षा के लिए कठोर संकल्प लिए। उसी प्रकार स्वयंसेवक मातृभूमि की सेवा और रक्षा को परम धर्म मानकर अपना जीवन समर्पित करता है। उसकी भक्ति शब्दों में नहीं, कर्म में प्रकट होती है। उसके जीवन आचरण से राष्ट्र प्रथम का भाव चरितार्थ होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मत है कि हिंदू समाज की एकता, आत्मबल और सांस्कृतिक गौरव ही भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकते हैं। 'हिन्दू' वह है जो विविधता में एकता की संस्कृति पर विश्वास करता है, अपने पूर्वजों का गौरव करता है, इस धरती को माता मानता है और इसकी संस्कृति का उपासक है। संघ का उद्देश्य किसी राजनीतिक लाभ से नहीं, बल्कि समाज में राष्ट्रीय भाव के जागरण से जुड़ा है। यही कारण है कि वह प्रत्यक्ष राजनीति से दूर रहकर शिक्षा, सेवा, ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्रों में कार्यरत है।

संघ के प्रतिवेदन 2024-25 के अनुसार देश भर में प्रतिदिन कुल 83,139 शाखाएं चल रही है। हर वर्ष लाखों युवा, विशेषकर 14-25 आयु वर्ग के संघ से जुड रहे हैं। संघ वेबसाइट के माध्यम से साल 2012 से अब तक 12,72,453 से अधिक लोगों ने संघ से जुडने में रुचि दिखाई है, जिनमें से 46 हजार से अधिक युवतियां एवं महिलाएं हैं। देशभर में कुल 89,706 सेवा गतिविधियां चल रही हैं, जिनमें से 40,920 शिक्षा के क्षेत्र में, 17,461 चिकित्सा सेवा से संबंधित, 10,779 स्वावलंबन के क्षेत्र में तथा 20,546 सामाजिक जागरण से संबंधित गतिविधियां हैं। संघ की प्रेरणा से अनेक संगठन समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। वनवासी क्षेत्रों से लेकर नगरों तक और शिक्षा से सेवा तक-संघ की प्रेरणा से सेवा भारती, विद्या भारती, संस्कार भारती, वनवासी कल्याण आश्रम जैसे अनेक संगठन समाजोत्थान में कार्यरत हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मात्र एक संगठन नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना है, जो भारत की सनातन परंपरा को जीवित रखने, आत्मगौरव जगाने और भावी पीढ़ी को सशक्त व संस्कारित करने हेतु सतत प्रयत्नशील है।

–डॉ. निमिषा गौड,
सहायक आचार्य
कनोड़िया पी. जी. महिला महाविधालय जयपुर।

सांवलिया सेठ के एक माह के भंडार व भेंट कक्ष से 26.77 करोड़ रुपए की आमद

■ 131 किलो चांदी व 627 ग्राम 260 मिलीग्राम सोना भी प्राप्त हुआ

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्रीसांवलिया जी सेठ के दरबार में गत 26 मई को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में पांचवें चरण में संपन्न हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया शनिवार शाम को संपन्न हुई पांचवें चरण की गिनती से 5 लाख 38 हजार 496 रूपए की नगद प्राप्ति हुई। इससे पूर्व चार चरणों में हुई भंडार गिनती से 20 करोड़ 42 लाख 70 हजार रूपए नगद प्राप्त हुए थे। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इसके अलावा मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन व मनी ऑर्डर भेजकर एवं स्वयं उपस्थित होकर 6 करोड़ 29 लाख रूपए भेंट स्वरूप जमा किए। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि पांचों चरणों की गिनती को मिलाकर भंडार से 20 करोड़ 45 लाख 08 हजार 496 रुपए नगद एवं मंदिर कार्यालय में 6 करोड़ 29 लाख रुपए भेंट जमा हुए हैं। इन सब को मिलाकर भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह में 26 करोड़ 77 लाख 8 हजार 496 रूपए की कुल आमद हुई।

टेलर ने बताया कि भंडार से निकले सोने-चांदी एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल भी किया गया, जिसमें भंडार से 388 ग्राम सोना व 57 किलो 700 ग्राम चांदी प्राप्त हुई एवं मंदिर कार्यालय से 239 ग्राम 400 मिलीग्राम सोना एवं 73 किलो 260 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप प्राप्त हुई। भंडार गिनती में भादसोड़ा नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भेरुगिरी गोस्वामी, लेहरी लाल गाडरी, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

भगवान श्रीसांवलिया जी सेठ के दरबार के भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर कर्मचारियों ने की।

बाल विवाह रुकवाया

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के मेड में बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन ने बाल विवाह रुकवाकर परिजनों को पाबंद किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि विराटनगर थाना क्षेत्र से एक नाबालिग ने सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर के समक्ष एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि आगामी चार जून को उसके माता-पिता नाबालिग अवस्था में उसकी शादी करवाना चाहते हैं। जिस पर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर कुमार मोहन ने संज्ञान लेते हुए पुलिस थाना विराटनगर से मामले की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। जांच में प्रार्थीया नाबालिग का विवाह तय होना पाया गया। जिस पर प्रार्थीया के माता-पिता, चाचा-चाची के विरुद्ध इस्तगासा अंतर्गत धारा (13)6 बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 में सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर में पेश कर पाबंद करवाया। वहीं ग्राम पंचायत सरपंच को न्यायालय ने परिजनों द्वारा नाबालिग का विवाह बालिग होने तक नहीं करने के निर्देश दिए। नाबालिग को राजस्थान सरकार द्वारा संचालित बाल कल्याण समिति जयपुर में दाखिल कराया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रैली निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस-2025 के अवसर पर शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महात्मा गांधी राजकीय जिला चिकित्सालय के मुख्य पोर्च से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता का संदेश प्रसारित करती रही।

रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी. पी. गोस्वामी एवं पीएमओ डॉ. अरुण गौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. गोस्वामी के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में शहर के विभिन्न नर्सिंग संस्थानों के प्रशिक्षणार्थी एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागी हाथों में तंबाकू निषेध से संबंधित संदेशों वाले पोस्टर, बैनर व नारे लिए हुए थे, जिनके माध्यम से आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों जैसे कैंसर, हृदय रोग व श्वसन संबंधी समस्याओं के बारे मे जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तंबाकू के सेवन को रोकना और इससे होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया कि वे इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें।

राशिफल रविवार 1 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 9:36 तक, धुव्र योग प्रातः 9:11 तक, कौलव करण प्रातः 8:08 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:36 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 9:29 तक है। यमघट योग रात्रि 9:36 से सूर्योदय तक है। आज अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा, जामित्री षष्ठी, शीतला छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:19 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:24 तक, शुभ 2:06 से 3:48 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

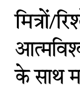

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

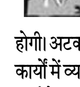

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

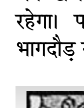

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

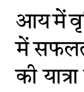

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

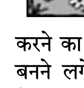

तुला

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

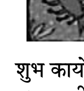

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा।

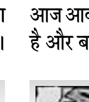

धनु

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है और बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

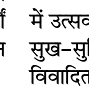

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

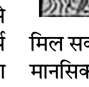

कुंभ

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

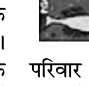

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मॉकड्रिल: पुलिस लाइन में एयर स्ट्राइक की सूचना पर परखी व्यवस्थाएं

■ मिसाइल-ड्रोन से अटैक होने पर दौड़ा प्रशासनिक अमला

राजसमंद/बांसवाड़ा, (निसं)। शनिवार को आयोजित मोक ड्रिल में पुलिस-प्रशासन की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। मोक ड्रिल ने एक बार पुनः साबित किया कि जिला प्रशासन और पुलिस अलर्ट है और हर विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए तत्पर हैं। पुलिस लाइन स्थित अन्वेषण भवन में एक एयर स्ट्राइक की सूचना प्राप्त हुई बडी तादाद में पुलिस के जवान, सिविल डिफेंस की टीमें, नगर परिषद की अग्निशमन गाडियां, चिकित्सा विभाग की टीमें मौके पर पहुंचे। साथ ही जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा, एडीएम नरेश बुनकर, एडिशनल एसपी महेंद्र पारीक एवं रजत विश्नोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

घायल को उपचार के लिये ले जाते पुलिसकर्मी।

नगर परिषद से आई फायर ब्रिगेड ने त्वरित प्रभाव से अन्वेषण भवन में लगी आग बुझाई। साथ-साथ घायल जवानों को पुलिसकर्मियों और सिविल डिफेंस की टीम ने मिलकर बिना किसी देरी के एम्बुलेंस में बैठाया और निकटवर्ती सुरक्षित भवन पहुंचाया जहां प्रशासन की ओर एक अस्थाई अस्पताल का निर्माण किया गया था। एक घायल को जवान कंधे पर लाद पर सीढियों सीढी (निसेनी) से नीचे आता हुआ भी दिखाई दिया, जो टीम की सक्रियता को दर्शाता हैं। अस्थाई अस्पताल में घायलों के उपचार के लिए सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां, ऑक्सीजन सिलेंडर सहित पर्याप्त संख्या में मेडिकल स्टाफ जैसे चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ आदि मौजूद थे। मौके पर सीएमएचओ डॉ हेमंत बिंदल और पीएमओ डॉ रमेश रजक भी उपस्थित थे जिन्होंने गंभीर घायलों को यहां से आरके जिला चिकित्सालय पहुंचाया। गंभीर घायलों को तुरंत ऑक्सीजन दी गई। कलक्टर ने भी प्रत्येक घायल से मिलकर हाल-चाल जाना।घटनास्थल पर पुलिस, चिकित्सा दल, स्थानीय प्रशासन, होमगार्ड, अग्निशमन सेवा, एनसीसी, एनएसएस, माय भारत, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स तथा अन्य स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी रही। सूचना के 5 मिनट के भीतर ही सभी आवश्यक राहत दल घटनास्थल पर पहुंच गए और उनके मध्य उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला। जिला कलक्टर ने निरंतर मौके पर उपस्थित रह कर सम्पूर्ण मोक ड्रिल का पर्यवेक्षण किया। मॉक ड्रिल की समाप्ति पर जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने एक-एक कर सभी टीमों से मुलाकात की और तत्परता के लिए सराहना की। कलक्टर ने कहा कि भविष्य में कोई खतरा होने पर सभी इसी तरह अलर्ट रहें और अपना-अपना दायित्व निभाएं।

बांसवाड़ा संवाददाता के अनुसार : बचाओ बचाओ ओ आई ओ बाई कहीं आग तो कहीं उठता धुआं। इधर घायल अवस्था में पड़े लोगों की चीख पुकार और इसी बीच शासन और प्रशासन मुस्तैदी से कर्त्तव्य निभाते नजर आया। शहर के कागदी पिकअप वियर पर इस नजारे को देखकर एक बारगी को हर कोई अचंभित और द्रवित हो गया लेकिन जैसे ही लोगों को पता लगा कि यह मॉक ड्रिल है तो लोगों ने राहत की सांस ली। असल में नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम पर शाम लगभग पांच बजे एक व्यक्ति ने सूचना दी कि कागदी पिकअप वियर की ओर से धमाके की आवाज सुनाई दे रही है और वहां कुछ ड्रोन भी हवा में दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में इस पर्यटक स्थल पर बडी जनहानि हो सकती है अतः जल्द से जल्द मौके पर सहायता भिजवायी जाये। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही अधिकारियों में हडकंप मच गया।

आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम से प्रशासन, पुलिस कार्यालय एवं सिविल डिफेंस को सूचना दी गई एवं सभी विभाग अलर्ट मोड में आ गए और वाहनों का काफिला कागदी की ओर बढ़ता दिखाई दिया। पुलिस वाहन, एम्बुलेन्स की दौड़ से शहर में तरह-तरह की चर्चाएं चल पड़ी। इधर कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, अतिरिक्त जिला कलक्टर अभिषेक गोयल, पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा और अन्य सभी विभागों के अधिकारी संसाधनों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे तब सभी ने राहत की सांस ली और घायलों को सिविल डिफेंस, होमगार्ड, नेहरू युवा केन्द्र, स्काउट गाइड के स्वयंसेवकों द्वारा रेस्क्यू करने की मॉक ड्रिल की वहीं 5 व्यक्ति को गंभीर अवस्था में एवं 10 सामान्य घायलों को महात्मा गांधी चिकित्सालय में भेजा गया एवं अन्य को सुरक्षित स्थानों पर ले जा गया।

बाद में सबकों पता लगा कि गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों की पालना में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए द्वितीय सिविल डिफेंस अभ्यास ऑपरेशन शील्ड के लिये जिला प्रशासन एवं सिविल डिफेंस की टीम की ओर से मॉक ड्रिल आयोजित की गई। बाद में जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक हर्शवर्धन अग्रवाला, अतिरिक्त जिला कलक्टर अभिशेक गोयल आदि महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचे एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने बताया कि राहत कार्य किस गति से षुरू हो सकते है। आपात स्थिति में विभिन्न विभागों की भूमिका और समन्वय कैसा रहता है इसके लिये दुबारा मॉक ड्रिल की गयी है।

'महाराणा प्रताप सा' गीत लॉन्च

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप की 485वीं जयंती पर 'महाराणा प्रताप सा' गीत लॉन्च शनिवार को महाराणा प्रताप के वंशज डॉ लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ सिटी पैलेस में किया। यह गाना महाराणा प्रताप की वीरता एवं शौर्य के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है। यह गाना पीयूष देवराज राणा पर फिल्माया गया है जिन का संबंध मेवाड़ से है। महाराणा प्रताप के रोल को बड़ी बेखूबी से निभाया है। इस गाने की शूटिंग जयपुर के विभिन्न स्थानो पर हुए जिनमें प्रमुख रूप से मंडोता किला शामिल है। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि आज के दौर में संगीत महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व एवं सोच को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बना है। मुझे उम्मीद है कि संगीत के माध्यम से देश, मिट्टी एवं स्वाभिमान के प्रति युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। इस गाने को लॉन्च करने के लिए अंग्रेजी तारीख नहीं बल्कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती की हिंदी तिथि को चुना गया है जिससे यह पता चलता है कि आज की युवा पीढ़ी संस्कृति के प्रति जागरुक है।

पीयूष देवराज राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप से संबंधित इस गीत में काम करना कोई चुनौती नहीं था। इस गाने में महाराणा प्रताप के शौर्य को दिखाया गया है। इससे पहले इस क्षेत्र में मेरा कोई अनुभव नहीं है। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस गाने से जुड़ पाया। मैं भविष्य में राजस्थान के संस्कृति और परंपराओं का युवा पीढ़ी में प्रचार प्रसार करूंगा। इस गाने के संगीतकार देवव्रत शर्मा है जबकि म्यूजिक डायरेक्टर कुमार दीपक है। इस गाने में नृत्य निर्देशन का कार्य डीसी डेविड ने किया है जबकि इस गाने का निर्देशन धर्मेंद्र के रॉय ने किया है। इस गाने के निर्माता पीयूष मेहता है। यह गीत प्रताप के साहससंघर्ष और मेवाड़ की स्वाभिमानी विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

संपूर्ण अंग प्लास्टिनेशन की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के एनाटॉमी विभाग द्वारा आयोजित 'हैंड्स-ऑन प्लास्टिनेशन' वर्कशॉप का दूसरा दिन व्यावहारिक सत्रों और प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने न केवल कोरोजन तकनीक द्वारा ल्यूमिनल कास्ट निकालने की विधि सीखी, बल्कि संपूर्ण अंग प्लास्टिनेशन और शीट प्लास्टिनेशन की प्रक्रियाओं में भी हाथ आजमाया।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत कोरोजन एक्सट्रैक्शन ऑफ ल्यूमिनल कास्ट तकनीक के प्रदर्शन से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने रक्त वाहिकाओं एवं अन्य नलिकीय संरचनाओं में रेजिन भरकर ऊतकों को संक्षारित करने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इस प्रक्रिया से तैयार ल्यूमिनल कास्ट नमूने शरीर की जटिल आंतरिक संरचना को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं। इसके पश्चात प्रतिभागियों को संपूर्ण अंग प्लास्टिनेशन की पूर्ण प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें अंगों को डिहाइड्रेट कर सिलिकॉन पॉलिमर में इंप्रीगनेट कर स्थायी संरक्षित किया जाता है। इस सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने फोर्सड इम्प्रीगेशन हार्डिंग और पोलीमेरीजेशन जैसे चरणों में भी प्रत्यक्ष सहभागिता की। शीट प्लास्टिनेशन सत्र में प्रतिभागियों ने जैविक ऊतकों की पतली स्लाइस बनाकर उन्हें पारदर्शी पॉलिमर शीट्स में संरक्षित करने की विधि सीखी। यह तकनीक विशेष रूप से शरीर की आंतरिक सूक्ष्म संरचनाओं को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने में सहायक होती है। दोपहर के सत्र में प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए नमूनों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें ल्यूमिनल कास्ट, संपूर्ण अंग प्लास्टिनेशन स्पेशीमेन तथा शीट प्लास्टिनेशन स्लाइस शामिल थे। इन मॉडलों को देखकर उपस्थित शिक्षक, अतिथि एवं सहभागी चिकित्सकों ने प्रशंसा व्यक्त की और इन तकनीकों को चिकित्सा शिक्षा में क्रांतिकारी बताया।

इस अवसर पर कार्यशाला की अध्यक्ष डॉ.हिना शर्मा ने बताया कि प्रतिभागियों को उनके द्वारा तैयार किए गए नमूने स्मृति चिह्न के रूप में प्रदान किए गए, ताकि वे भविष्य में भी इस तकनीक की जानकारी को और आगे बढ़ा सकें। समापन समारोह में कार्यशाला सचिव ईशा श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया तथा भविष्य में इस प्रकार की और उन्नत कार्यशालाएं आयोजित करने की बात कही। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यशाला में देशभर के चिकित्सा संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अधिवेशन संपन्न

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार को अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ (अविविनि) राजसमन्द का तृतीय अधिवेशन का उद्घाटन सत्र जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह राठौड की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भारतीय मजदूर संघ पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विजयसिंह चौहान, अखिल भारतीय पेंशनर मंत्री भरत किशोर सुहालका, भारतीय मजदूर संघ प्रदेश उप महामंत्री विजयसिंह बाघेला, डिस्कॉम अध्यक्ष हेमराज डांगी, डिस्कॉम महामंत्री देवकरण सैनी एवं सुरेश थे। आरंभ में अतिथियों का संघ के सदस्यों ने पगडी एवं उपहरना पहनाकर स्वागत किया। जिसके बाद मुख्य वक्ता विजयसिंह बाघेला ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 1०० वर्ष पूर्ण होने और भारतीय मजदूर संघ के 7० वर्ष के कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं विजयसिंह चौहान ने भारतीय मजदूर संघ की रीति-नीति पर प्रकाश डालते हुए संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान डिस्कॉम महामंत्री देवकरण सैनी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें हरदयाल सिंह मोजावत को जिलाध्यक्ष और जयसिंह राजपूत को जिला महामंत्री मनोनीत किया गया। नरेंद्र तेली को कोषाध्यक्ष, उमा शंकर शर्मा को संगठन मंत्री, नारायणसिंह राजपुरोहित, किशोर कम जावत एवं प्रेमसिंह राठौड को संरक्षक के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शुरू

उदयपुर, (कासं)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर; जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर तथा भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत के कर-कमलों द्वारा हुआ।

इस अवसर पर प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय विचारधारा के प्रकाश-स्तंभ थे, जिनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन आज भी वैश्विक चुनौतियों के समाधान में मार्गदर्शक है। यह प्रश्नोत्तरी युवाओं को उनके विचारों से जोड़कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगी।' पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छिपा ने बताया कि यह प्रतियोगिता न केवल ज्ञान की परीक्षा है, बल्कि युवाओं को भारतीय संस्कृति, सामाजिक नैतिकता और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों एवं ज्ञान-साधकों से आव्हान किया कि वे इस राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़ी प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लें और एक जागरूक एवं विचारशील समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का शुभारंभ कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत ने किया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. चंद्रेश कुमार छ्तलानी ने बताया यह ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय को जानो' पुस्तक पर आधारित है, जिसे प्रतिभागी प्रश्नोत्तरी के गूगल फॉर्म से ही डाउनलोड कर सकते हैं। प्रतियोगिता 3 जून 2025, अपराह्न 3 बजे तक आयोजित की जाएगी। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जबकि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को 4-5 जून 2025 को भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर में आयोजित हो रहे समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत, डॉ. रोहित कुमावत तथा तकनीकी सहयोगी विकास डांगी उपस्थित थे।

एनएसएस शिविर का समापन

उदयपुर, (कासं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारवा में राष्ट्रीय सेवा योजना 15 दिवसीय शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। शिविर प्रभारी वरिष्ठ अध्यापक हितेष श्रीमाल में बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान भीमराज मीणा ने की। अतिथि सुरेश पालीवाल योगाचार्य, पक्षी विद देवेंद्र श्रीमाली रहे। पालीवाल ने योगासन के महत्व की जानकारी दी। बच्चों को गोरया संरक्षण के लिए चिड़िया के लिए घर का वितरण किया। पक्षीविद् श्री श्रीमाली ने प्रकृति और पक्षी संरक्षण और आध्यात्म का विद्यार्थी जीवन में महत्व को बताया। संस्था प्रधान ने शिविर का विद्यार्थी जीवन और समाज में महत्व के बारे में बताया। शिविर में दलनायक भरत वैरागी, शारीरिक शिक्षक निर्भय सिंह शक्तावत ने सीड बॉल, वृक्षारोपण और परिवेश की स्वच्छता की जानकारी दी।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। मंदबुद्धि नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। प्रकरण के अनुसार पीडिता ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि गत दिनों मंद बृद्दी ाबालिग भतीजी मेरे घर आई थी।

निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण आज से

बांसवाड़ा, (निसं)। भारत विकास परिषद जिला शाखा की ओर से महिला सहभागिता प्रकल्प का निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का शुभारंभ रविवार से भारत विकास परिषद भवन रातितलाई में होगा। अध्यक्ष हरेश लखानी ने बताया कि प्रशिक्षण महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रशिक्षण का समय सायं 4 से 6 बजे तक रहेगा। इस प्रशिक्षण में 16 वर्ष से अधिक उम्र की बालिकाएं एवं महिलाएं सम्मिलित हो सकती है।

ज्ञापन सौंपा

राजसमंद, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के बेनर तले तृतीय श्रेणी शिक्षको के तबादले को लेकर शहीद स्मारक जयपुर में सांकेतिक विरोध व धरना दिया गया। प्रदेशाध्यक्ष डॉ रनजीत मीणा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ओएसडी विकास कुमार से सीएमआर सिविल लाइन में चर्चा कर ज्ञापन सौंपा। साथ ही शिक्षामंत्री मदन दिलावर के कार्यालय में जाकर ट्रांसफर पॉलिसी पर चर्चा हुए व अगले कुछ दिन में ट्रांसफर पॉलिसी का ड्राफ्ट सौंपने की बात कही। इसके अलावा गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह बेडम के कार्यालय में मांग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत को ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर मंत्री ने कहा कि उन्होने पहले ही तृतीय श्रेणी शिक्षकों के ट्रांसफर की सिफारिश सरकार से कर दी हैं। वहीं खींवसर विधायक रेवत राम डागां को तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेशाध्यक्ष डॉ रनजीत मीणा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षक दुःखी होकर पदयात्रा कर रहे हैं। सरकार फिर भी तृतीय श्रेणी अध्यापकों के तबादले नहीं खोल रही हैं। तृतीय श्रेणी अध्यापकों के तबादले पिछली भाजपा सरकार ने 2018 में किए थे, तब से लेकर आज तक तबादले नहीं हुए हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में 37 वर्ष की सेवा के बाद दीनदयाल केडिया हुए सेवानिवृत्त

उदयपुर, (कासं)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उपशाखा प्रबंधक दिनदयाल केडिया 37 वर्षों की गौरवशाली बैंकिंग क्षेत्र की प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बाद शनिवार को सेवानिवृत्त हो गये।

वर्ष 1988 में एक लिपिक के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाले केडिया ने मेहनत, ईमानदारी और मानवीय संवेदनाओं के बल पर न सिर्फ बैंक में ऊँचा पद प्राप्त किया बल्कि ग्राहकों और सहकमिर्यों के दिलों में भी अमिट छाप छोड़ी। दिनदयाल को उनके हंसमुख और सहयोगी स्वभाव के लिए जाना जाता है। दिनदयाल केडिया का नाम बैंकिंग क्षेत्र में उन गिने.चुने व्यक्तित्वों में शुमार रहेगा जिन्होंने सेवा को केवल नौकरी नहीं, बल्कि एक जीवन दर्शन बना दिया। अपनी इस लंबी और समर्पित यात्रा के पीछे दिनदयाल जी अपने परिवारए विशेष रूप से अपनी पत्नी को सबसे बड़ा सहारा मानते हैं।उनकी यह भूमिका मेरी सफलता की बुनियाद है। नीम का थाना (सीकर) के मूल निवासी दिनदयाल ने उदयपुर क्षेत्र में वर्षों तक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उपशाखा प्रबंधक दीनदयाल केडिया को सहकर्मियों ने विदाई दी।

सेवाएं दीं। वे दो विवाहित संतानों के पिता हैं और तीन पोते.पोतियों के दादाजी हैं।

उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उदयपुर क्षेत्र की सभी शाखाओं के कर्मचारी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम शाखा प्रबंधक गौरीशंकर एवं उनके सहयोगियों द्वारा बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। समारोह में न सिर्फ उनके योगदान को सराहा गया बल्कि कई सहकमिर्यों और ग्राहकों ने भावुक होकर अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर सहकमिर्यों और वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके स्वस्थ,सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना की।

उन्नत कृषि तकनीक के लिये किया प्रेरित

बांसवाड़ा, (निसं)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तीसरे दिन ग्राम पंचायत वडलीपाड़ा, बालावाड़ा एवं बांसला में शिविर लगाकर किसानो को खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गयी। मुख्य अतिथि बागीदौरा प्रधान सुभाष खराडी ने कृशकों को उन्नत कृषि तकनीक अपनाकर आय बढ़ाने के लिये प्रेरित किया। बांसला सरपंच दिलीप पारगी, बालावाड़ा सरपंच गणेषलाल कटारा ने भी कृषको का उत्साहवर्धन किया।

कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. बीएस भाटी ने उन्नत बागवानी तकनीक, प्राकृतिक खेती एवं कृषक हितार्थ केंद्र की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। आईसीएआर एनबीएसएस प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरपी शर्मा ने मिट्टी की जांच के आधार पर फसलों में संतुलित खाद एवं उर्वरक सिफारिश एवं भूमि सुधार के लिये जिप्सम एवं हरी खाद का प्रयोग करने पर बल दिया वहीं उद्यानन सहायक निदेशक बादामी लाल निनामा ने फसल विविधीकरण एवं उद्यान विभाग की योजनाओ पर प्रकाश डाला।

सार-समाचार

उपजिला अस्पताल का किया निरीक्षण

कपासन, (निसं)। उपजिला अस्पताल में शुक्रवार सुबह 11 बजे एसडीएम ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पदस्थ तीनों चिकित्सक बिना किसी स्वीकृति के अनुपस्थित मिले।अस्पताल में कुल 42 नर्सिंग कर्मियों में से 23 की सुबह शिफ्ट में ड्यूटी थी। वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी ने अपने स्तर पर 13 नर्सों को एक साथ डे ऑफ दे दिया, एक लीव पर था। खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भी इसकी जानकारी नहीं थी।एसडीएम ने मौके पर ही चित्तौड़गढ़ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से संपर्क किया। अनुपस्थित चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण तक अस्पताल में 250 मरीजों की ओपीडी और 5 मरीजों की आईपीडी हो चुकी थी। मौसमी बीमारियों के कारण मरीजों की संख्या अधिक है। एसडीएम ने खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सभी अनियमितताएं तुरंत सुधारने और बिना स्वीकृति छुट्टी न देने के निर्देश दिए। सूचना पर चित्तौड़गढ़ से कार्यवाहक सीएमएचओ डॉक्टर राकेश भटनागर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। भविष्य में एक साथ अधिक नर्सिंग स्टाफ को छुट्टी न देने का निर्णय लिया। बिना सूचना अनुपस्थित डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मंडल महामंत्री के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)। वीसी के बहाने पीडित से लाखों रूपये वसूल कर हडपने वाले के खिलाफ अम्बामाता थाना पुलिस ने दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित सुरेश शर्मा पुत्र प्रहलाद शर्मा निवासी मीरा नगर न्यू रामपुरा कॉलोनी हॉल सिद्दी ग्रीम बी गायिरियावास ढीकली ने आरोपी राजकीय बालिका विद्यालय अम्बामाता के सामने रहने वाले कमलेश जावरिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि आरोपी ने मुझे अपने जाल में फसा कर वीसी में रूपये जमा कराने पर अच्छा लाभ होने की बात कहते हुए जुडने को कहा। इस पर मैने वर्ष 2017 से 28-30 माह तक आरोपी के खिलाफ 19 जरचर 50 हजार रूपये जमा करवाए। वीसी समाप्त होने पर मकान के बाहर स्थित कशिश कलेक्शन दुकान पर जागर रूपये उगाही की तो उसने कोरोना काल होने का बहाना करते हुए कोरोना निकलने के बाद भुगतान करने को कहा। इसके एवज में चैक दिए जो बैक से अनादरित हो गए। कोरोना काल समाप्त बाद संपर्क किया तो दुबारा नोन सीटीएस चैक दिए जिन्हें बैक में प्रस्तुत किया तो चलन के बाहर होने का हवाला देते हुए बैक ने भुगतान करने से इनकार कर दिया। इस संबंध में सकर्प्र किया तो आरोपी ने रूपये देने में टालम टोल करते हुए झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी देना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

नशा मुक्त कार्यक्रम का आगाज

उदयपुर,(कासं)। मुस्लिम महासंघ के नशा मुक्त कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को दंत चिकित्सा शिविर के साथ जागरूकता अभियान आयोजित किया।मुस्लिम महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दानिश अली ने बताया कि मुस्लिम महासंघ के चल रहे नशा मुक्त समाज का लक्ष्य के अंतर्गत शनिवार को तम्बाकू दिवस पर नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता अभियान के अंतर्गत चेतक उदयपुर मे उदयपुर सीएमएचओ अशोक आदित्य के निर्देशन मे मुस्लिम महासंघ द्वारा शिविर आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि उदयपुर के तम्बाकू नोडल अधिकारी प्रणव भावसार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थापक अध्यक्ष हाजी मुहम्मद बक्ष ने की। राष्ट्रीय सचिव इरफ़ान मुल्तानी ने बताया कि करीब 70 लोगो ने इस कैंप का फायदा लिया। कैंप मे सेवा देने वाले सभी डॉक्टर्स का स्मृति चिन्ह दे कर सम्मान किया गया।

मुख्य प्रबंधक उपाध्याय का अभिनंदन

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के राजसमंद रोडवेज डिपो के मुख्य प्रबंधक महेश उपाध्याय का उत्कर्ष सेवाओं के लिए शनिवार को राजसमंद के धोइंदा बस स्टेण्ड पर आयोजित समारोह में अभिनंदन हुआ।सम्मान समारोह की अध्यक्षता राजसमंद डिपो के प्रबंधक (यातायात) केपी सिंह ने की जबकि विशिष्ट अतिथि प्रबंधक (वित्त) यशवन्त मेहड़ा, प्रबंधक (संचालन) दुर्गासिंह, प्रबंधक (प्रशासन) प्रहलाद वर्मा थे। अतिथियों ने डिपो के मुख्य प्रबंधक महेश उपाध्याय का रोडवेज में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए साफा, उपरणा और फूल माला पहना कर तथा वीरेंद्र मीणा, पर्वतसिंह, रामनारायण ने स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया। उपाध्याय के बेहतर प्रबंधन के परिणाम स्वरुप राजसमंद डिपो बीते तीन सालों से लगातार प्रदेश में टॉप पांच स्थान में रहा है। मुख्य प्रबंधक उपाध्याय ने उपलब्धि का श्रेय डिपो के अधिकारियों और परिचालन टीम दिया।

योग शिविर का समापन

बांसवाड़ा, (निसं)। शहर के नई आबादी स्थित भावसार समाज के नोहरे में दस दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोहपूर्वक हुआ। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दी। बच्चों में अच्छे संस्कार एवं विकास के उद्देष्य से आयोजित षिविर में बच्चों को कराटे का प्रषिक्षण भी दिया गया वहीं जीवन जीने की कला भी सिखाई गयी। बतौर विषिश्ट अतिथि समाज अध्यक्ष महेश चंद्र भावसार, संरक्षक शांतिलाल भावसार आदि मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी नितेश भावसार ने बताया कि योग शिविर के दौरान महिला मंडल अध्यक्ष रंजना भावसार, बिंदिया, सचिन आदि मौजूद रहे। कामना और पारितोष भावसार ने बच्चों को योग प्रशिक्षण दिया।

यूडीए में अब हुए 206 गांव

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) का क्षेत्राधिकार बढ़ गया है। 136 पेराफेरी के गांव वाले यूडीए में अब 70 गांव और जुड़ गए है। इसके साथ ही अब यूडीए के पेराफेरी के गांवों की संख्या 206 हो गई है। इसमें घासा,कुराबड़ और गोगुंदा के गांव भी शामिल किए गए है। नगरीय विकास विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में इन 70 नवीन राजस्व ग्राम को यूडीए में शामिल किया है। इसके साथ ही यूडीए का दायरा और बढ गया है। यूडीएच की अधिसूचना में 70 नए गांव जोड़े उनमे घासा,कुराबड़ और गोगुंदा के गांव भी शामिल है। नए शामिल 70 गांवों में से प्रमुख गांवों में कैलाशपुरी, रामा, नागदा, मूणवास, मोरवानिया, ईसवाल, मदार, घसियार, चीरवा, लकड़वास, साकरोदा और विजनवास शामिल है।अब इन गांवों में यूडीए से भी विकास के काम कराए जाएंगे।

नुक्कड़ नाटक का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इंटर्न छात्रों ने यह संदेश दिया कि तंबाकू के सेवन से प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु होती है। उन्होंने तंबाकू रोकथाम की विभिन्न रणनीतियों और उपायों को भी सरल भाषा में प्रस्तुत किया।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Ph. 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ./नामा./2025/2533 दिनांक: 27.5.2025

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टाशुद्वा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्य था प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणो में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्रीमती मोनिका पालीवाल पत्नि दिनेश पालीवाल, छोटा भानुजा, खमनोर	भूखण्ड सं- 22 क्षेत्रफल-1492.50 वर्गफिट, कैलाश नगर, बागोल रोड, नाथद्वारा	अन्य कृषि भूमि	30 फिट रोड	भूखण्ड स.-23	भूखण्ड सं-21

आयुक्त, नगपालिका नाथद्वारा

बिजौलियां के ब्रजपुरा की सरकारी भूमि पर वन विभाग की टीम ने अवैध खनन पकड़ा

बजरी माफ़िया ने डम्पर से वन विभाग के रेंजर की सरकारी जीप को कुचलने का प्रयास किया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में बिजौलियां के ब्रजपुरा में अवैध खनन माफियाओं द्वारा वन विभाग के रेंजर की सरकारी जीप को डंपर से कुचलने के प्रयास का मामला सामने आया है। रेंजर का आरोप है कि बड़े पैमाने पर हो रहे सेंड स्टोन के अवैध खनन की सूचना प्रशासन को दी गई थी, लेकिन वह मौके पर कोई नहीं पहुंचा। हमले के प्रयास को लेकर फिलहाल मांडलगढ़ वन विभाग के रेंजर ने बिजौलियां पुलिस को शिकायत दी है। घटना की जांच की जा रही है।

मांडलगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) मनेंद्रपाल सिंह चौधरी ने बताया कि मांडलगढ़ वन विभाग की टीम के साथ वे शुक्रवार शाम को तिलस्वां इलाके में गश्त पर निकले थे। तिलस्वां के पास महूपुरा और ब्रजपुरा इलाके में पहुंचे तो देखा कि करीब दस बीघा सरकारी (बिलानाम) भूमि पर धड़ल्ले से सेंड स्टोन का अवैध खनन चल रहा था। सेंड स्टोन के अवैध खनन में दो दर्जन से अधिक डंपर, लोडर, फोकलेन मशीनें, ट्रैक्टर कम्प्रेशर लगे हुए थे। मौके पर लग्जरी कारें और मोटरसाइकिलें खड़ी थी। वन विभाग की टीम को देखते ही अवैध खननकर्ताओं में अफरा-तफरी मच गई और वाहनों को भगा ले गए। कुछ वाहन छोड़कर चालक भी फरार हो गए। एक डंपर चालक ने सरकारी जीप को कुचलने का प्रयास किया गया। जीप ड्राइवर की सतर्कता से हम बच गए।

रेंजर चौधरी ने बताया कि मौके पर भारी मात्रा में सेंडस्टोन निकाला गया है, उससे साफ है कि यहां काफी समय से अवैध खनन हो रहा है और करोड़ों रुपए का सेंडस्टोन अब तक निकाला जा चुका है। ऐसा नहीं कि स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं हो। रेंजर ने बताया कि घटना के तुरंत बाद हमने बिजौलियां के तहसीलदार ललित डिडवानिया को सूचना दी, ताकि खनिज विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचे,

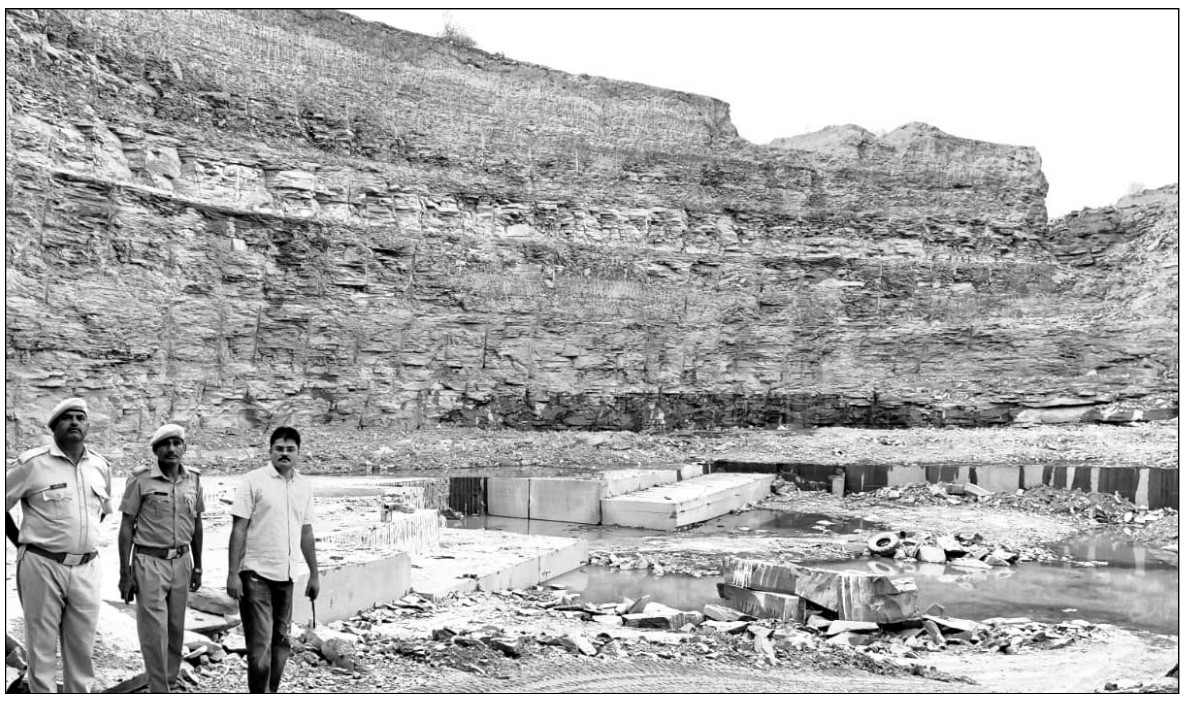

मांडलगढ़ में बिजौलियां क्षेत्र के ब्रजपुरा में वन विभाग की टीम ने बड़े पैमाने पर चल रही सेंडस्टोन की अवैध खदान पकड़ी।

- **अवैध खदान में प्रयुक्त सभी वाहन और मशीनरी भगा ले गए अवैध खननकर्ता, कुछ वाहन छोड़कर चालक भी फरार हो गए**
- **रेंजर का आरोप है कि बड़े पैमाने पर हो रहे सेंड स्टोन के अवैध खनन की सूचना प्रशासन को दी गई थी, लेकिन 5 घंटे बाद भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा**
- **खनिज विभाग ने दूसरे दिन पहुँच कर अवैध खननकर्ता पर 5 लाख राशि का जुर्माना लगाया, लेकिन वाहन जब्त नहीं किए**

लेकिन पांच घंटे बीत जाने के बाद भी कोई नहीं आया। इस बीच खदान पर अंधेरा हो चुका था और माहौल भी तनावपूर्ण हो गया था। खनन माफियाओं की हरकतों को देखते हुए वन विभाग टीम की सुरक्षा को देख जान बचाकर सुरक्षित निकलना पड़ा। अवैध खदान की वीडियोग्राफी करवाई है और मौका पर्चा तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दिया है। वहीं पूरी घटना के बारे में भी अवगत कराया गया है।

बिजौलियां तहसीलदार ललित डिडवानिया ने बताया कि खनिज विभाग के फोरमैन गिरिराज मीणा टीम के साथ अवैध खनन का मौका निरीक्षण किया। डिडवानिया ने बताया कि शुक्रवार को आधिकारिक बैठक में भाग लेने के लिए वह भीलवाड़ा गए हुए थे। लौटते समय अंधेरा हो गया, जिसके कारण मौके पर नहीं पहुंच सके। शनिवार सुबह उन्होंने खनन विभाग की टीम के साथ अवैध खदान का निरीक्षण किया, लेकिन वहां कोई वाहन आदि मौजूद नहीं था। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि एक बंद पड़ी अनुबंधित लीज के पास अवैध खनन किया गया है। इस संबंध में पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की गई है।

बिजौलियां थानाधिकारी लोकपाल सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं दी गई थी। घटना के अगले दिन, शनिवार को ई-मेल के माध्यम से अवैध खननकर्ताओं द्वारा डम्पर से सरकारी जीप को कुचलने के प्रयास इसकी सूचना प्राप्त हुई है।

बिजौलियां खनिज विभाग के फोरमैन गिरिराज मीणा ने बताया कि महूपुरा निवासी रामदेव भील के खिलाफ पांच लाख रुपए का पंचनामा तैयार किया गया है। मौके पर एक अनुबंधित लीज के पास खनन गड्ढे (पिट) पाए गए हैं। जिसका नाप लिया गया है और भविष्य में अवैध खनन नहीं करने के लिए पाबन्द किया गया है। मौक़े पर अवैध खनन में प्रयुक्त वाहन और मशीनरी नहीं मिली है। एक माह पूर्व भी इसी जगह अवैध खनन का पंचनामा बना कर अवैध खननकर्ताओं से पांच लाख राशि का जुर्माना वसूला गया है।

दूसरी ओर आसपास के ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन पर कार्रवाई में मुख्य लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। काफी लंबे समय से बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध खनन पर प्रशासन के जिम्मेदारों की मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

हनुमानगढ़ में होटल मालिक को गोलियों से भूना

आरोपियों ने 12 राउंड फायरिंग की, 4 गोली पीड़ित के सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में लगी

हनुमानगढ़, (निसं)। यहां बदमाशों ने एक होटल के मालिक को गोलियों से भून दिया। आरोपियों ने 12 राउंड फायरिंग की। इसमें से 4 गोली पीड़ित के सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में लगी।

पुलिस के अनुसार भादरा के अजय होटल में शाम 7.30 बजे हुई। हत्या के बाद दोनों युवकों ने फरार होने से पहले होटल की तरफ फिर से फायरिंग की। नोहर सेक्टर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कंवर ने बताया कि शाम को सुरेश बिजारणियां पुत्र भानीराम निवासी डूंगरसिंहपुरा बायपास स्थित अपने होटल के बाहर बैठा था। होटल के बाहर बाइक रोककर दो युवक होटल परिसर में आए। इनमें से हेलमेट पहना युवक होटल की बिल्डिंग की ओर गया, जबकि दूसरा युवक होटल के बाहरी परिसर में किसी को ढूंढता दिखा। पुलिस सूत्रों की मानें तो वर्ष 2004 में धर्मपाल बागड़ी नामक व्यक्ति की हत्या हुई थी। जिसमें सुभाष बिजारणियां आरोपी था और कुछ समय जेल में रहा था। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने सुभाष को बरी कर दिया था। माना जा रहा है कि धर्मपाल बागड़ी की हत्या का बदला लेने के लिए ही सुभाष की हत्या हुई है।

12वीं के छात्र से चली रिवॉल्वर, गोली लगने से मौत

धमाका हुआ तो कमरे की तरफ भागे परिजन, लहूलुहान पड़ा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर इलाके में देर रात एक बच्चे की रिवाल्वर से चली गोली लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रायसिंहनगर के वार्ड नं. एक निवासी श्रवण धारणिया के घर पर रिवाल्वर से गोली चलने से बेटे सुजस की मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक 12 कक्षा में पढ़ने वाला छात्र सुजस अपने घर के कमरे था। इसी दौरान बालक के परिजनों ने अचानक गोली की आवाज सुनी तो कमरे गए। सुजस के गोली लगी हुई थी। जिस पर परिजन सुजस को अस्पताल लेकर गए जहां पर डॉक्टर ने बालक को मृत घोषित कर दिया।

रायसिंहनगर थानाधिकारी कलावती चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शाम के समय घटना की सूचना मिली जिस पर घटनास्थल का मौका मुआयना किया है और घटना की सूचना एफएसएल टीम को दी है। वहीं कमरे को सील कर दिया है। मृतक के शव को राजकीय चिकित्सालय की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

एफएसएल और एमओबी टीम के घटनास्थल के मौका मुआयना करने के बाद ही घटना के कारण का पता चल पाएगा। जानकारी के मुताबिक सुजस ने अभी 12 वीं कक्षा पास की थी और 2 बहनों का इकलौता भाई था। और घटना के समय वह घर में बने कमरे में अकेला था। उसी कमरे में उसके पिता श्रवण धारणिया का लाइसेंसी रिवाल्वर पड़ा था। इसी दौरान लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली चलने से सुजस की मौत हो गई।

रंजिश में दो परिवार के बीच मारपीट

- **मारपीट में नौ जने घायल हो गये**

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में दो परिवारों के बीच आपसी रंजिश के चलते आपस में मारपीट हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के करीब नौ लोग चोटिल हुए। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 मई को फतहपुरा हनुमान कॉलोनी निवासी रजिया बानो पत्नी नवाब मो. एवं शमा बानू पत्नी मो. हुसैन के परिवार के बीच आपसी रंजिश के चलते मारपीट हो गई, जिसके चलते एक पक्ष के रजिया, नवाब, सुल्तान, जीशान तथा दूसरे पक्ष के सलमान, मो. हुसैन, आजाद, शमा बानू, सलीम चोटिल हो गए। इस मामले में रजिया बाना पत्नी नवाब मो. ने आरोपी पायल उर्फ शमा बानो, हुसैन, सलमान, शबाना, आसमा, गुड्डी, सलीम बिहारी के खिलाफ तथा शमा बानू पत्नी मो. हुसैन ने आरोपी रजिया, जीशान, सुल्तान, गनी मो., मो. हुसैन, सायरा, मुन्नी, रेशमा, गोलू, अर्श, आलीमा के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई किशनसिंह कर रहे हैं।

बारात की बस में अचानक लगी आग, बड़ा हादसा टला

निवाई, (निसं)। शनिवार की सुबह एक बारात की बस में अचानक आग लग गई, जिससे बस में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। समय रहते सभी बाराती बस से नीचे उतर गए, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। मौके पर पहुंची दमकल ने बस में लगी आग को बुझाया।

- **बाराती बस से सुरक्षित बाहर निकले, मौके पर पहुंची दमकल ने आग बुझाई**
- **बस टोडारायसिंह से गांव कैथुनिया वापस आ रही थी, 40-45 बाराती सवार थे**

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर जलती हुई बस।

थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 4.15 बजे बारातियों की बस टोडारायसिंह से गांव कैथुनिया वापस आ रही थी। बस में करीब 40-45 बाराती सवार थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 टोंक से जयपुर रोड पर पहाड़ी कट के समीप बस में तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। उन्होंने बताया बस ज्यादा पुरानी नहीं थी। बस में बैठी सवारियां सुरक्षित बाहर निकल गई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है। दमकल द्वारा बस में लगी आग को बुझा दिया गया।

मदुराई में श्री अंबे माताजी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुये सतीश पूनियां

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने तमिलनाडु प्रवास पर

- **राजस्थानी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि और सनातन धर्म की उन्नित के लिए अथक परिश्रम करते हैः डॉ. पूनियां**

मदुराई में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा आयोजित श्री अंबे माताजी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थानी परिवारों को बधाई देते हुये श्री अंबे माताजी से राजस्थान एवं राजस्थानियों की उन्नित की कामना की।

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का मदुराई में प्रवासी राजस्थानियों ने स्वागत किया।

इस अवसर परडॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि राजस्थानी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि की उन्नित के लिए अथक परिश्रम करते हैं और अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आस्था एवं धर्म की मजबूती के लिए भी निरंतर कार्य करते हैं। आज मदुराई में श्री अंबे माता जी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम राजस्थानियों का सनातन के प्रति अटूट समर्पण दिखाता है। डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, खूबसूरती हमारे सत्य सनातन धर्म में है, हमारी आस्था में है, हमारे लोकपर्व में है, राजस्थान की धरती के बारे में तो कहा जाता है कि राजस्थान वह धरती है जीवन जहां उत्सव है। उस उत्सव को आस्था के रूप में, अंबे माताजी की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में मदुराई के राजस्थानी समाज ने मनाया है, इस ऐतिहासिक आस्था के कार्यक्रम के लिए मदुराई में रहने वाले सभी राजस्थानी भाई-बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं, राजस्थानी देश-दुनिया के किसी भी कोने में कार्य करे, वह अपनी मिट्टी का मान हमेशा बढाता है, यह मुझे पूरा विश्वास है।

अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कुचला, दो बीटेक छात्रों की दर्दनाक मौत

- **डबोक स्थित निजी कॉलेज से बीटेक कर रहे थे, जो परीक्षा देकर बाईक पर वापस सेवाश्रम स्थित अपने पीजी हॉस्टल आ रहे थे**

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कूचल दिया। हादसे में कुचला जाने से दो बीटेक छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर में प्रताप नगर थाना क्षेत्र पावर हाउस चौराहा महिन्द्रा शोरूम के सामने अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में दो युवक भव्य (19) पुत्र पुनित पालिवाल निवासी लालबाग नाथद्वारा तथा तिलकराजसिंह (20) पुत्र हरनाथसिंह चौहान निवासी कला खेड़ी बडला नाथद्वारा की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलने पर प्रतापनगर पुलिस थाने के हेडकांस्टेबल अमरसिंह राठौड़ ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। भव्य एवं तिलकराज डबोक स्थित निजी कॉलेज से बीटेक कर रहे थे। जो परीक्षा देकर बाईक पर वापस सेवाश्रम स्थित अपने पीजी हॉस्टल आ रहे थे, जहां बीच रास्ते पिछे से आ रहे ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। हादसे में बाइक फंसने पर करीब आधा किलोमीटर तक ट्रक लेकर भागने के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस न ट्रक जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। तिलकराज अपने पिता की इंलोती संतान थी।

एक ही परिवार के दो पक्षों में झगड़ा

- **दोनों पक्षों से दो-दो लोग घायल, एक व्यक्ति के सीने में छर्रे लगे, एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस का जाब्ता तैनात किया**

भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के कुम्हेर थाना इलाके में एक ही परिवार के दो पक्षों में झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान फायरिंग भी हुई है। दोनों पक्षों से दो-दो लोग घायल हुए हैं। वहीं एक व्यक्ति के सीने में छर्रे लगे हैं। जिसे आईसीयू में एडमिट किया गया है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया है।

कुम्हेर थाना अधिकारी जितेंद्र चौधरी ने बताया कि उबार गांव में एक ही परिवार दो पक्षों में झगडा हुआ है। झगड़े के दौरान फायरिंग भी हुई है। दोनों पक्षों के दो-दो व्यक्ति घायल हुए हैं। चारों घायलों को आरबीएम अस्पताल में भर्ती किया गया है। गांव में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है, जिससे कि दोबारा दोनों पक्षों में झगड़ा न हो। झगड़ा किस बात को लेकर हुआ इस बारे में जांच की जा रही है। दोनों एक ही परिवार के पक्ष हैं इसलिए दोनों परिवारों में आपसी रंजिश है। जांच के बाद ही पूरा मामला साफ हो पाएगा। घटना में सुबह करीब आठ बजे की है। रमन सिंह और कुंवर सिंह एक परिवार के लोग हैं। दोनों में किसी पुरानी रंजिश को लेकर झगड़ा हुआ है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर फायरिंग भी की है। इस दौरान कुंवर जीत के सीने के पास छर्रे लगे हैं। वहीं उसके बेटे सचिन चौधरी के चोटें आईं हैं। दूसरे पक्ष की तरफ से रमन और महावीर घायल हुए हैं। कुंवर जीत को एडमिट किया गया है। दोनों पक्षों में किसी ने भी पुलिस में शिकायत नहीं दी है।

विराटनगर बार एसो. के वकीलों के साथ रास्ते में लोगों ने मारपीट की

हवाई फायर भी किया, मारपीट में एक वकील चोटिल, विराटनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के जयपुर-अलवर सड़क मार्ग पर बीलवाड़ी चौकी के सामने विराटनगर बार एसोसिएशन के वकीलों के साथ कुछ लोग मारपीट कर हवाई फायर कर फरार हो गए। इसके बाद घायल वकील अपने साथियों के साथ विराटनगर थाने पहुंचा। पुलिस को घटना की जानकारी दी। वकीलों के द्वारा करीब आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मारपीट करने एवं हवाई फायर करने की शिकायत दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। घटना में एक वकील के हाथ व मुंह पर चोट आई है। घटना के बाद बार एसोसिएशन में रोष व्याप्त हो गया। बार एसोसिएशन ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार कर दिया।

- **मारपीट व हवाई फायर करने वालों की गिरफ्तारी तक वकिलों ने कार्य बहिष्कार का ऐलान किया**

विराटनगर थाना पुलिस में एडवोकेट नागेन्द्र शर्मा पुत्र पीरूलाल निवासी तेवड़ी हाल निवासी विराटनगर ने शिकायत में बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे विराटनगर कोर्ट परिसर से एडवोकेट सतीश सैनी के साथ बाइक से शाहपुरा कोर्ट में विचाराधीन मामले की सुनवाई के लिए जा रहे थे। जैसे ही बीलवाड़ी घाटी से आगे पहुंचे तो तीन बाइक सवार व कार में सवार करीब 7-8 लोग ओवरटेक कर उनकी बाइक के आगे गाड़ी लगाकर बाइक रुकवा ली। वहीं बाइक सवार एक चश्मा पहने महिला उतरी तथा उसने वकीलों पर अभद्रता व छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए शोर मचाने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने महिला व उसके साथ मौजूद उसके पति को झूठा आरोप लगाने को लेकर बहुत समझाया। इसी दौरान सोची समझी साजिश के दौरान करीब आधा दर्जन लोग और आ गए एवं वकीलों से गाली-गलौच करने लगे। उनका इरादा उन्हें पैरवी पर जाने से रोकने का था, लेकिन वकील कैसे-जैसे पीछा छुड़ाकर पास ही स्थित बीलवाडी पुलिस चौकी गए, लेकिन महिला व उसके साथ बाइक व गाड़ी से आए लोग उनका पीछा कर वहां भी पहुंच गए।

इसी दौरान मौके से गुजर रहे एडवोकेट जयराम गुर्जर व श्रीराम गुर्जर अपने साथी वकीलों को देख वह भी रुक गए। उन्होंने महिला व उन लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन उन्होंने एडवोकेट जयराम गुर्जर व श्रीराम गुर्जर को भी घेर लिया एवं मारपीट शुरू कर दी। घटना में एडवोकेट श्रीराम गुर्जर के मुंह-जबड़ा पर चोट आई व हाथ में फ्रेक्चर हो गया। तभी घटना स्थल पर अन्य लोगों की भीड़ आते देख महिला व उसके साथ आए लोग मोटरसाइकिल व कार लेकर बीलवाड़ी की तरफ भाग गए। वहीं जाते-जाते कोर्ट की फाइल ले गए तथा जाते समय हवाई फायर किया तथा मामले में राजीनामा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी।

इधर इस घटना से बार एसोसिएशन विराटनगर के वकीलों में रोष व्याप्त हो गया एवं बार एसोसिएशन ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक कार्य बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया।

राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों का समकालीन भारत में पुनर्निर्माण भाजपा शासन में : जे.पी.नड्डा

राजमाता होल्कर की तर्ज पर महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है भाजपा सरकार : भजनलाल शर्मा

- ‘जो जनता के लिए जीता है उसे दुनिया याद करती है, जो खुद के लिए करता है वह सब नजर में आता है’
- लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की न्यायप्रियता और उनका अद्वितीय नेतृत्व सराहनीय : मदन राठौड़
- राजमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित हुई मातृशक्ति

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से शनिवार को अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह भव्य रूप से मनाया गया। समारोह से पूर्व जवाहर सर्किल से लेकर एंटरटेनमेंट पैराडाइज तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर जीवित रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ‘‘राजमाता अहिल्या बाई होल्कर ने 18वीं शताब्दी में महिला सशक्तिकरण के लिए अपार कार्य किए। उनका जीवन प्रेरणा का स्त्रोत है। वह एक महान समाज सुधारक, धार्मिक नेता, न्याय मूर्ति, सुशासक और सांस्कृतिक संरक्षक थीं। उनके योगदान को हमें हमेशा याद रखना है और उनके आदर्शों पर चलना होगा।’’

नड्डा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बना रहे हैं। हम नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और धार्मिक समृद्धि के रास्ते पर चल रहे हैं, जैसा कि राजमाता अहिल्या बाई होल्कर ने किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में किए गए महिला सशक्तिकरण कार्यों का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों को आज भी जीवित रखा है। अहिल्याबाई होल्कर के जीवन में भी बाह्य सुरक्षा खतरे में थी, आतंरिक कलह था, आर्थिक मंदी थी लेकिन जिस तरह राजमाता ने आपदा को अवसर में बदला, ठीक उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज आपदा को अवसर में बदल रहे है और नए भारत की नई तस्वीर वैश्विक पटल पर रख रहे है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने अहिल्या बाई होल्कर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि होल्कर ने सिद्ध किया कि महिलाएं हर कार्य को सफलता से पूरा कर सकती हैं। चाहे फिर वो राशन का कार्य हो या फिर शासन का कार्य, महिलाओं ने अपनी क्षमता से हर क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर ने अपनी परंपरा, नीति और विचार के माध्यम से देश को आगे बढ़ाया। उनके द्वारा स्थापित धार्मिक और सांस्कृतिक सुधारों का प्रभाव आज भी हमारी समाज की नींव में समाहित है।

मुख्यमंत्री ने अहिल्या बाई होल्कर को महिला सशक्तिकरण और न्याय की प्रतीक बताते हुए कहा कि लोकमाता एक दिव्य और विलक्षण महिला थीं, जिन्होंने सांस्कृतिक सशक्तिकरण से लेकर हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी। वे सैन्य और प्रशासन में प्रशिक्षित थीं। होल्कर ने सनातन संस्कृति की सच्ची संरक्षिका के रूप में अपने जीवन को समर्पित किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी सनातन संस्कृति का उत्थान हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को एक अहम एजेंडा बनाया है, और उन्होंने चार जातियों में देश को विभाजित करते हुए महिला, युवा, किसान, और मजदूर के कल्याण एवं उत्थान की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में बेहतर कार्य कर रही है। भाजपा के संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीयता की भावना पूरे देश में देखी जा रही है, और राजस्थान में तिरंगा यात्रा का आयोजन भी एक बड़ा उदाहरण है। इन यात्राओं से राज्य में एक नया जोश और उत्साह पैदा हो रहा है। सीएम शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और बहुत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखने का सपना हमारी पीढ़ी ने देखा है, और हम इस दिशा में पूरे देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि हमें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने जनता के लिए जीवन जीया। उनके जीवन को आत्मसात करना चाहिए और उनके आचरण को अपनी ज़िन्दगी में उतारना चाहिए। यही भारत की नई पहचान होगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जेपी नड्डा की नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के मार्गदर्शन में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी बनी है। इन्होंने ना केवल संगठन में बल्कि केंद्र सरकार में रहते हुए आमजन के लिए बेहतर योजनाओं को क्रियान्वयन किया है। इसी तर्ज पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आम आदमी के जीवन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में कार्य करते हुए राजस्थान के विकास के लिए नए आयाम स्थापित कर रहे है।

पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती पर एंटरटेनमेंट पैराडाइज में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड, सांसद मंजू शर्मा, राव राजेंद्र सिंह, दामोदर अग्रवाल, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर सहित कई अन्य भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला ने मंच संचालन किया। भाजपा पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को 51 किलो की फूल माला से स्वागत-अभिनंदन भी किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृ शक्ति, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से शनिवार को अहिल्या बाई ह ोल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का भाषण शुरू होते ही सभागार से जनता जाने लागी। नड्डा का भाषण खत्म होते-होते सभागार पूरा खाली हो गया।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से जवाहर सर्किल से लेकर एंटरटेनमेंट पैराडाइज तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाग लिया।

प्रदेश में एक दिन में करोना के नौ नए केस, 19 भर्ती

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के केस दिन-प्रतिदिन बढते जा रहे है। शुक्रवार को विभिन्न जिलों से कोविड के 9 नए मामले सामने आए हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। खास बात यह है कि ये मामले प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों से रिपोर्ट हुए हैं। चिकित्सा विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार सभी जिलों में जयपुर एक बार फिर हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। इनमें एसएमएस 4, एम जेनिक्स जयपुर 1, रिलेबल जयपुर 1, जीएमसी उदयपुर 1, आरएनटी उदयपुर 2 संक्रमित पाए गए। प्रदेश में कोविड-19 के केसों की बात की जाए तो सबसे अधिक मामले जयपुर में है, शनिवार को 9 नए मरीज मिले हैं। इनमें चित्तौड़गढ़ 48 वर्षीय महिला, दौसा 52 वर्षीय पुरुष, जयपुर 29, 50, 70 वर्षीय पुरुष और 37 वर्षीय महिला, सीकर 64 वर्षीय महिला, राजसमंद 70 वर्षीय महिला, उदयपुर 33 वर्षीय पुरुष है। फिलहाल 19 मरीज अस्पतालों में भर्ती जयपुर के साकेत में 2, जेके लोन, एसएमएस, राजस्थान और गुप्ता हॉस्पिटल में 1-1, उदयपुर आरएनटी में 2, जोधपुर एम्स में 11 मरीज भर्ती है।

प्रतिभावान बच्चों को सम्माति किया

जयपुर। गोविंदनगर पश्चिम आमेर रोड स्थित शिवम् पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में 91 प्रतिशत से 98 प्रतिशत तक सैकेण्डरी और सीरियर सैकेण्डरी परीक्षा में अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान बच्चों को उनके घर जाकर सम्मानित किया। विद्यालय के सचिव जी.एस. गर्ग ने अध्यापकों और अभिभावकों को बधाई दी। इस दौरान जुलूस भ्ज्ञी निकाला गया। विद्यालय की छात्रा यशस्वी सोनी को 12वीं कला में 97.17 फीसदी, उर्वशी सावलानी को 12वीं कला में 96.83 फीसदी, परमजीत कौर को 12वीं कला में 94.50 फीसदी, ताराचंद सैनी को 12वीं कला में 96 फीसदी, वंदना शर्मा को 12वीं कला में 94.20 फीसदी, शोभादेवी को 12वीं कला में 93.33 फीसदी, हिमेश सैनी को 12वीं विज्ञान में 93 फीसदी, अंशिका पंवार को 12वीं कला में 91.67 फीसदी, नैतिक अग्रवाल को 12वीं विज्ञान में 91.60 फीसदी व यशस्वी सिंह को 12वीं कला में 90.67 फीसदी अंक प्राप्त किये।

प्रदेश में 3355 ग्राम पंचायतें टी.बी. मुक्त : भजनलाल शर्मा

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। राजस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे ‘निरामय राजस्थान’ की संकल्पना साकार होने लगी है। शर्मा द्वारा मानव सेवा में समयबद्ध निर्णयों के सफल परिणाम नजर आने लगे हैं।

नड्डा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर सराहना की। नड्डा ने कहा कि चिकित्सकीय कार्य मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इनमें विभागीय अधिकारी, चिकित्सक और समस्त कार्मिक पूर्ण मनोयोग से अपनी महती जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्रालय स्तर पर प्रदेश से सम्बंधित सभी विषयों का शीघ्र ही सकारात्मक समाधान किया जाएगा। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करने, बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने, कैंसर उपचार आदि पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) सेल गठित की है। यहां राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजें, जिन्हें मंत्रालय स्तर पर अध्ययन कर लागू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से नेत्र रोग सम्बंधित योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनको राज्य सरकार जनहित में आगे बढ़ाए। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत समयबद्ध रूप से बजट का सदुपयोग करें, ताकि रोगियों को बेहतर इलाज मिल सके। प्रदेश में गैर संचारी रोग के प्रति भी जनजागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वें वित्त आयोग से आवंटित राशि की प्रगति, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, स्वास्थ्य बीमा योजना, केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसएमएस अस्पताल में लगातार दूसरे दिन भी सर्वर रहा ठप, मरीज परेशान

रजिस्ट्रेशन, जांचें सहित अन्य प्रक्रियाएं रही प्रभावित

जयपुर। प्रदेश के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में लगातार सर्वर ठप होने की समस्या आ रही है। इसके चलते आए दिन मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सर्वर नहीं चलने से दूरदराज से इलाज के लिए आए मरीज बिना इलाज ही लौटने को मजबूर हो जाते हैं।

ऐसा ही एक नजारा शनिवार को भी लगातार दूसरे दिन भी एसएमएस अस्पताल में देखने को मिला। अस्पताल में करीब तीन घंटे तक सर्वर में तकनीकी खराबी रही। सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के बिल नहीं कट सके, जिसके कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच रजिस्ट्रेशन के इंतजार में ओपीडी भवन में बैठे एक मरीज की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर गया, जिसे वहां मौजूद लोगों ने संभाला। अन्य मरीज भी सर्वर ठीक होने के इंतजार में घंटों खड़े रहे। मामले में अस्पताल के जिम्मेदारों का कहना है कि सर्वर की समस्या डीओ आईटी की तरफ से आ रही है। इसमें अस्पताल की तरफ में कोई समस्या नहीं है।

जानकारी के अनुसार एसएमएस में शुक्रवार को भी सर्वर करीब एक घंटे तक डाउन रहा था और शनिवार को भी सर्वर डाउन रहने की स्थिति में व्यवस्था और बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज हाथ में पर्ची लिए इधर उधर भटकते रहे लेकिन सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के लिए बिल नहीं कटवा सके, जिसमें उनकी जांचे भी नहीं हो सकी। इधर इस तरह की समस्या में परेशान मरीजों के लिए हॉस्पिटल में वैकल्पिक व्यवस्थाओं का भी अभाव दिखाई दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल में सुबह सवा 11 बजे से लेकर दोपहर करीब दो बजे तक सर्वर में तकनीकी समस्या रही। इस दौरान बीमारी का इलाज करवाने आए एक मरीज की हालत बिगड गई। करीब दस मिनट मरीज को उसके परिजन और वहां ड्युटि पर तैना त सुरक्षा गार्ड ने संभाला, लेकिन कोई मेडिकल स्टॉफ वहां नहीं आया। काफी देर तक जब किसी भी स्टाफ ने मदद नहीं को तो मजबूरन मरीज के पिता उसे खेद में उठाकर डॉक्टर के कमरे तक ले गाए। जिसे बाद में डॉक्टर ने देखा। अस्पताल में तमाम संसाधन होने के बावजूद ओपीडी में बेहोश हुए मरीज को संभालने कोई नहीं पहुंचा, जिनके कारण अस्पताल में प्रदेश के कोने-कोने से आए लोगों ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर राज्यपाल ने तंबाकू त्यागने का किया आव्हान

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हॉस्पिटल एवं कैंसर केयर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने तंबाकू से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से तंबाकू त्यागने का आव्हान किया। राज्यपाल ने कहा कि तंबाकू सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और भविष्य पर सीधा प्रहार है। इससे मुक्ति केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को लाभ देती है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और चिकित्सालय के प्रबंध न्यासी विमल चंद सुराणा के स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके पश्चात हॉस्पिटल द्वारा निर्मित जनजागरूकता फिल्म ‘सांसों से मोहब्बत’ का लोकार्पण किया गया, जो तंबाकू के दुष्परिणामों और उससे उबरने की प्रेरणा पर आधारित है।

राज्यपाल ने कहा कि तंबाकू एवं उसके उत्पाद चित्र एवं भाषा के माध्यम से लोगों को चेतावनी दी जाती है, इसके बावजूद लोग इसका सेवन करने कैंसर जैसी बीमारी को खुद की न्यौता देते हैं। उन्होंने लोगों को इस आदत से मुक्त होने का प्रण लेने के लिए प्रेरित किया। समारोह में चिकित्सालय की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कैंसर केयर अध्यक्षा अनिला कोठारी ने बताया कि चिकित्सालय समय-समय पर कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते है। जिसके जरिए आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया जाता है। वहीं चिकित्सालय एवं कैंसर केयर की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क कैंसर जांच एवं जागरूकता अभियान के तहत तंबाकू की गिरफ्त में आ चुके लोगों की कैंसर स्क्रीनिंग की जाती है।

इस मौके पर चिकित्सालय के अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एससी पारीक (सेवानिवृत) ने चिकित्सालय की ओर से चलाई जा रही तंबाकू निवारण परियोजना के बारे में जानकारी दी।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का शनिवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उद्घाटन किया।

‘राजस्व अदालतों में प्रशासनिक न्यायिक अकादमी स्थापित हो’

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि राजस्व अदालतों और अपीलीय कोर्ट में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। इन अधिकारियों के पास न तो कानून की डिग्री होती है और ना ही इन्होंने प्रक्रियात्मक कानूनों व नियमों का अध्ययन किया होता है। जिसके चलते कई बार देखा गया है कि इन अदालतों में व्यावहारिक कानूनी प्रक्रिया का खुलेआम उल्लंघन किया जाता है। ऐसे में राज्य सरकार को नव नियुक्त और सेवारत प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रशासनिक न्यायिक अकादमी का स्थापना की जानी चाहिए। जहां इन अधिकारियों को कानून का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाए।

साइबर ठगों ने युवती व छात्र नेता को बनाया शिकार

- साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपये ठगे

जयपुर। शहर के गांधी नगर थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवती और छात्र नेता को शिकार बनाया है। साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

शाहपुरा हाल जेसी बॉस हॉस्टल निवासी धर्मेंद्र बड़बड़वाल ने गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास टेलीग्राम पर दो लोगों ने कॉल किया और एक एप में निवेश करने पर मोटा मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद आरोपियों ने उससे सात बार में 209998 रुपए डलवा लिए। इसके बाद आरोपियों ने न तो उसे मूल रकम लौटाई और ना ही मुनाफा दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने सबसे पहले 19999 और उसके बाद 59900, 25000, 25000, 25000, 25000 एवं 29999 रुपए डलवा लिए। वहीं दूसरी घटना में गांधी पथ वेस्ट लालरपुरा रोड निवासी मानसीपाल ने करणीविहार थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास किसी ने बैंक कर्मचारी बनकर कॉल किया और कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ानी है। आपके पास ओटीपी आएगा वो बता देना। इसे बाद आरोपियों ने उसके दो अलग-अलग खातों से 25999, 23000 और 19950 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता पीड़ित को मोबाइल पर बैंक से मैसेज आने पर लगा। इस पर पीडिता ने बैंक से सम्पर्क कर खाते का लेन देन बंद करवाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को चोरी कर चाबी बनवाने पहुंचा चोर

जयपुर। माणक चौक थाना इलाके में दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को दो युवक चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित को घटना की जानकारी मिली तो पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित ने अपने स्तर पर इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस को स्कूटी चोरी के बारे में बताया तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। लेकिन अभी तक पुलिस ने पीड़ित से सम्पर्क तक नहीं किया।

स्कूटी मालिक सोनू शर्मा ने बताया कि वह 15 तारीख को अपनी स्कूटी चौड़ा रास्ता में दुकान नंबर 357 के बाहर खड़ा करके चला गया था। सुबह जब स्कूटी लेने के लिए आया तो मौके पर स्कूटी नहीं मिली। स्थानीय लोगों से पूछा तो पता चला कि कुछ देर पहले ही दो युवक आए थे और स्कूटी को पैदल-पैदल लेकर गए हैं। जिसके बाद पीड़ित ने आसपास कई किलोमीटर तक स्कूटी सर्च की लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को स्कूटी चोरी की सूचना दी। पीड़ित ने अपने स्तर पर दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जिस में स्कूटी चोरी करते दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं।

हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ते का आदेश निरस्त किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक मामले में पत्नी के खुद को बेरोजगार बताकर पति से हर माह पन्द्रह हजार रुपए गुजारा भत्ता लेने से जुडे मामले में महिला उत्पीड़न कोर्ट के 2 अगस्त, 2023 के आदेश को निरस्त कर दिया है। वहीं अदालत ने निचली अदालत के उस आदेश को बहाल किया है।

अजमेर : ऑपरेशन शिल्ड के तहत मॉक ड्रिल में प्रशासन की तत्परता दिखी

अभ्यास के तहत हवाई हमले की काल्पनिक स्थिति को दर्शाया

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिले में नागरिक सुरक्षा को लेकर सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार शनिवार को द्वितीय सिविल डिफेंस अभ्यास ऑपरेशन शिल्ड के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

इस अभ्यास के तहत हवाई हमले की काल्पनिक स्थिति को दर्शाया गया। इसमें शत्रु द्वारा एयर स्ट्राइक के माध्यम से मिलिट्री कंपाउंड पर हमला किया गया। धमाकों के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र में आपातकालीन सायरन बजा। सभी विभागों को सतर्क किया गया। सायरन की आवाज सुनते ही जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, अग्निशमन सेवाएं, स्वास्थ्य विभाग एवं सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर सक्रिय हो गई। राहत एवं बचाव कार्यों की शुरुआत तत्काल की गई। फायर ब्रिगेड घटना स्थल पर पहुंच गई। घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया और गंभीर रूप से घायल लोगों को त्वरित रूप से एंबुलेंस के माध्यम से अस्थाई अस्पताल भेजा गया। प्रशासन की गाड़ियों से भी घायलों को ले जाया गया।

इस अभ्यास का नेतृत्व जिला कलेक्टर लोकबंधु द्वारा किया गया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर संपूर्ण राहत कार्य की निगरानी की और सभी विभागों की तत्परता एवं रिस्पॉन्स टाइम को जांचा। जिला कलक्टर ने पूर्व मॉक ड्रिल से मिले अनुभवों को आधार बनाते हुए इस बार और बेहतर समन्वय स्थापित करने को जोर दिया। अभ्यास के दौरान सेना भी पूर्ण रूप से मुस्तैद रही। सेना के अधिकारियों ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर ड्रिल को वास्तविकता के करीब पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। सिविल डिफेंस ने आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की। पुलिस द्वारा घटना स्थल से अस्थाई चिकित्सालय के मार्ग को आपातकालीन परिस्थिति के अनुसार यातायात रहित रखा गया।

रेजिडेंस कंपाउंड स्थित बहुमंजिला इमारत में भी मॉक रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला गया। घटनास्थल पर घायलों की सहायता जैसी परिस्थितियों को सजीव रूप में प्रदर्शित किया गया। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में परिसर की बार-बार जांच कर पीड़ित व्यक्तियों की खोज की गई। घायलों के कीमती सामान को सुरक्षित रखा गया। इनके स्वास्थ्य में सुधार होने पर कीमती सामान सम्बधिन्त व्यक्तियों को सुपुर्द किया गया।

प्रशासन द्वारा लगातार घायलों के स्वास्थ्य पर नजर रखी गई। सायरन सुनते ही आम नागरिकों से अपेक्षित सधी हुई प्रतिक्रिया देखने को मिली। राहगीरों ने तत्काल सुरक्षित स्थानों की ओर रुख किया। इससे अभ्यास में जन सहभागिता का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत हुआ।

मॉक ड्रिल में मिशन स्कूल परिसर में बनाए गए अस्थाई अस्पताल में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए त्वरित चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। जिला कलक्टर लोक बंधु के निर्देशन में स्थापित अस्थाई चिकित्सालय में हादसे के दौरान घायल हुए व्यक्तियों को तत्काल उपचार के लिए लाया गया। यहां माय भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्काउट तथा सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने घायलों के उपचार में सहयोग प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्स्ना रंगा के मार्गदर्शन में चिकित्सा दल द्वारा घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। सामान्य चोट वालों को हरा, साधारण घायल को पीला तथा गंभीर घायलों को हरे टैग से चिह्नित किया गया था। गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों टेग संख्या 7 एवं 8 की स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया।

अस्थाई अस्पताल में नियुक्त चिकित्सक दल के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ के द्वारा घायलों का उपचार किया गया। चिकित्सकों की सतर्कता और त्वरित निर्णय क्षमता के कारण सभी को समय पर उपचार मिल सका। मौके पर जीवन रक्षक दवाओं के साथ-साथ 30 युनिट रक्त भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराया गया।

अभ्यास के तहत राहत एवं बचाव कार्यों की शुरुआत तत्काल की गई।

- शत्रु द्वारा एयर स्ट्राइक के माध्यम से मिलिट्री कंपाउंड पर हमला किया गया
- धमाकों के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र में आपातकालीन सायरन बजा, सभी विभागों को सतर्क किया गया

थानों में जब्त अवैध मादक पदार्थ को जलाकर नष्ट किया

अवैध मादक पदार्थ को मोड़क स्थित सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर में जलाया

कोटा ग्रामीण के 13 थानों में जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किया।

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण के 13 पुलिस थानों में जब्त अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा, गांजा व स्मैक को मोड़क स्थित सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर में जलाकर नष्ट किया।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि न्यायालय से भौतिक सत्यापन और निर्णय के बाद जिला औषधि व्ययन समिति द्वारा ग्रामीण थाना मोड़क के मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर भट्टी में अवैध मादक पदार्थ को जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस द्वारा करीब 3960 किलो 152 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा, गांजा व स्मैक को नष्ट करने की कार्यवाही की गई। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि जिले के सुल्तानपुर, बूढ़ादीत, अयाना, खातौली, सहित कुल 13 थानों में दर्ज 29 प्रकरणों में अवैध मादक पदार्थ 3950 किलो डोडा-चूरा, 10 किलो गांजा एवं 152 ग्राम स्मैक को पुलिस द्वारा तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। उक्त सभी 29 प्रकरणों में जब्तशुद्धा अवैध मादक पदार्थों को जिला औषधि व्ययन समिति ग्रामीण द्वारा थाना मोड़क के मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री के सुरक्षा प्रभारी सत्येन्द्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त सुरक्षा प्रभारी रामकिशोर पांडे की उपस्थिति में मंगलम सीमेन्ट फैक्ट्री के बोयलर भट्टी में जलाकर नष्ट किया गया। कार्यवाही के दौरान ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा भी मौजूद थे।

- पुलिस द्वारा करीब 3960 किलो 152 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा, गांजा व स्मैक को नष्ट करने की कार्यवाही की

एनडीपीएस एक्ट के आरोपी को पांच साल की सजा

जालोर, (कासं)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जालोर हारून ने अवैध अफीम का दूध परिवहन करने के आरोपी किशोर कुमार को दोषी मानते हुए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई है।

लोक अभियोजक ओमप्रकाश व्यास ने बताया कि पुलिस थाना जालोर व एसएसटी टीम द्वारा 16 नवम्बर 2018 को नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों को चैक करते वक्त सायला से जालोर की तरफ एक कार आती नजर आई। उस कार को रूकवाया तथा चालक ने अपना नाम किशोर कुमार पुत्र हडमताराम माली निवासी तिलोडा बताया। कार को अन्य वाहनों की भांति चैक किया तो चालक सीट के नीचे एक लाल रंग की थैली पायी गई। जिसमें एक लाख छत्तीस हजार रूपये व एक प्लास्टिक की थैली में काला तरल पदार्थ अफीम का दूध पाया गया। अवैध अफीम के दूध का वजन करने पर कुल 120 ग्राम पाया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज कर बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। सैशन न्यायाधीश जालोर हारून ने पत्रावली का अवलोकन करने तथा दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद उक्त प्रकरण में फैसला सुनाते हुए आरोपी किशोर कुमार को अवैध अफीम का दूध परिवहन करने का दोषी मानते हुए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। सरकार की ओर से पैरवी लोक अभियोजक ओमप्रकाश व्यास ने की।

स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने शनिवार को सरहद आसाणा में अवैध मादक पदार्थ स्मैक 23.06 ग्राम को किया बरामद तीन आरोपियो को गिरफ्तार किया। अवैध मादक पदार्थ स्मैक तोलने में प्रयुक्त इलेक्ट्रोनिक मोबाइलनुमा कांटा एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल भी जब्त की। बरामद स्मैक की अनुमानित बाजार कीमत 4,61,000 रूपये आंकी गई है। सायला पुलिस थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाना हल्का क्षेत्र में सरहद आसाणा में नाकाबंदी व आने जाने वाले संदिग्ध वाहनो की चैकिंग के दौरान मनोहर (22) पुत्र रमेश कुमार, गणपतलाल (23) पुत्र कानाराम भील व सुजाराम (27) पुत्र बगदाराम को दस्तयाब कर अभियुक्त मनोहर के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 23.06 ग्राम, अभियुक्त गणपतलाल के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ स्मैक तोलने में प्रयुक्त इलेक्ट्रोनिक मुबाइलनुमा कांटा एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को बरामद कर मुलजिमानों को गिरफ्तार किया गया।

जयपुर में कल होने वाला पशु पालकों का धरना स्थगित

2 जून को प्रस्तावित धरना 20 जुलाई तक के लिये स्थगित किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान के जिला दुग्ध संघों के अध्यक्षों एवं जिला दुग्ध उत्पादक संघर्ष समिति के बैनर तले पशु पालकों एवं दुग्ध उत्पादकों का 2 जून हो होने वाला धरना 20 जुलाई तक के लिए स्थगित हो गया है।

अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी ने बताया कि विगत दिनों जोराराम कुमावत, डेयरी एवं पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि आपकी मांगें जायज है और मंत्री जोराराम भरसक प्रयास कर रहे हैं कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2024 माह का अनुदान आगामी 1 से 2 दिनों में करवा देंगे। इस सम्बन्ध में मंत्री जोराराम ने अखिल अरोडा, प्रमुख वित्त सचिव, मिड-डे-मील के प्रदेश प्रभारी एवं श्रुति भारद्वाज प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक आर.सी.डी.एफ, जयपुर से वार्ता भी हमारे समक्ष की एवं तत्पश्चात उन्होंने हमे सुझाव दिया कि मुझे थोड़ा समय दो जिससे कि मैं आपका बकाया भुगतान करवा सकुं। इस सम्बन्ध में शनिवार को प्रातः श्रुति भारद्वाज, प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक, आर.सी.डी.एफ जयपुर से दूरभाष पर हुई वार्तानुसार उन्होंने 20 जुलाई तक का समय मांगा है, जिससे समस्त भुगतान समय पर आप लोगों को करा सके।

जोराराम कुमावत, डेयरी एवं पशुपालन मंत्री एवं श्रुति भारद्वाज प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक आर.सी.डी.एफ के आश्वासन के पश्चात समस्त साथियों की राय के उपरान्त आगामी 2 जून को प्रस्तावित धरना 20 जुलाई तक के लिये स्थगित किया गया है।

- बकाया भुगतान की मांग को लेकर धरना प्रस्तावित था

दरगाह में शिव मंदिर मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे को लेकर न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 2 में शनिवार को सुनवाई हुई। वादी विष्णु गुप्ता के वकील ने प्रतिवादी दरगाह कमेटी व पुरातत्व विभाग के वकीलों की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर अपना जवाब दिया। मामले में अब अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी।

हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा करते हुए कोर्ट में परिवादी दायर किया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 2 में शनिवार को मामले को लेकर सुनवाई हुई। वादी विष्णु गुप्ता के वकील ने प्रतिवादी दरगाह कमेटी व पुरातत्व विभाग के वकीलों की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर अपना जवाब प्रस्तुत किया, इसके बाद न्यायालय ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 19 जुलाई दी। जानकारी के अनुसार गत 19 अप्रैल को वादी विष्णु गुप्ता के वकील निजी कारणों से कोर्ट में सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हो सके थे। जिसके चलते सीपीसी आदेश 7 (11) के प्रार्थना पत्र पर पेश नहीं हो सके थे और सुनवाई के लिए शनिवार की तारीख दी गई थी।

- वादी के वकील ने जवाब पेश किया, अब अगली सुनवाई 19 जुलाई को

नायरा डिपो पर मॉक ड्रिल हुई

पाली, (नि.सं.)। पाली-जोधपुर हाईवे पर स्थित नायरा डिपो पर एयर स्ट्राइक सूचना पर पुलिस-प्रशासन, मेडिकल महकमा सहित अन्य महकमे अलर्ट मोड पर आ गया। शनिवार शाम साढ़े चार बजे जैसे ही सूचना मिली सायरन बजाती एम्बुलेंस, दमकलें तेज गति से नायरा डिपो पहुंची। जहां घायलों को एम्बुलेंस में डालकर तुरंत इलाज के लिए बांगड़ हॉस्पिटल और रोहट हॉस्पिटल पहुचांया गया। दमकलकर्मी वहां आग बुझाने की मॉक ड्रिल करते नजर आए। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रोमा, बर्न, आईसीयू में 10 घायलों को भर्ती किया गया। वही रोहट हॉस्पिटल में भी 10 घायलों को भर्ती किया गया। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चुनाराम जाट रोहट और बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और मॉक ड्रिल की सारी व्यवस्था जांची और घायलों से भी मिले।

डीडवाना जिला मुख्यालय पर मॉक ड्रिल हुई

हवाई हमलों से बचाव को लेकर की गई मॉक ड्रिल

घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

डीडवाना, (निसं)। ऑपरेशन शील्ड के तहत सरकार के निर्देश पर डीडवाना जिला मुख्यालय पर शनिवार शाम छह बजे मॉक ड्रिल हुई, जिसमें प्रशासन द्वारा सभी विभागों की आपातकालीन तैयारियों को जांचा और परखा गया।

जानकारी के अनुसार शाम छह बजे जिला प्रशासन को रिजर्व पुलिस लाइन में ब्लास्ट होने की सूचना मिली। जिस पर जिला कलेक्ट्रेट में अचानक हूटर बजने लगा। इसके बाद सभी विभाग तुरंत अलर्ट हो गए और तत्काल पुलिस, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड तथा एंबुलेंस मौके पर पहुंची, जहां मौके पर अफरा-तफरी मची हुई थी। इस दौरान अग्निशमन ने रिजर्व पुलिस लाइन में लगी आग पर काबू पाया। वहीं चिकित्सा विभाग व एसडीआरएफ की टीमों ने लगभग 20 घायलों को रेस्क्यू कर उन्हें बांगड़ जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने घायलों का उपचार किया। इस दौरान जिला कलेक्टर पुखराज सेन, जिला पुलिस अधीक्षक अनुमान प्रसाद मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर कुचामन ललित गुप्ता भी मौके पर पहुंचे और बचाव व राहत दल की हौसला अफजाई की।

इस दौरान जिला कलेक्टर व एसपी ने बताया कि दुश्मन के अचानक हमले और आपातकालीन स्थितियों में कैसे बचाव और राहत अभियान चलाया जाए, इसकी मॉक ड्रिल के जरिए पड़ताल की गई है। साथ ही बचाव व राहत टीमें कितना तैयार हैं, इसका जायजा लिया गया है।

- रिजर्व पुलिस लाइन में हवाई हमले की सूचना पर दौड़ा प्रशासन
- कलेक्टर, एसपी सहित जिले के आलाधिकारी मौके पर पहुँचे

रिश्वत लेने के मामले में जेडीए के तत्कालीन जेईएन को चार साल की सजा सुनाई

तत्कालीन जेईएन कानाराम पर निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु मौका रिपोर्ट बनाने के एवज में रिश्वत मांगने और प्राप्त करने का आरोप सिद्ध हुआ

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता कानाराम को भ्रष्टाचार के एक मामले में चार साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई हैं। जोधपुर स्थित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रम संख्या 02 के विशेष न्यायालय के न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने यह फैसला सुनाया। कानाराम पर निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु मौका रिपोर्ट बनाने के एवज में रिश्वत मांगने और प्राप्त करने का आरोप सिद्ध हुआ है। अभियुक्त कानाराम को पीसी एक्ट की धारा 7 के तहत तीन वर्ष कठोर कारावास व बीस हजार रुपए जुर्माना तथा धारा 13(1)(डी) सहपठित धारा 13(2) पीसी एक्ट के तहत चार वर्ष सश्रम कारावास व बीस हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा दी गई है। जुर्माना अदा न करने पर छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

यह मामला 2016 का है जब कानाराम ने परिवादी धर्मवीर सोनी से पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। बाद में 21 सितंबर 2016 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जोधपुर ग्रामीण द्वारा उन्हें दो हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक निदेशक अभियोजन दिनेश तिवाड़ी ने 17 गवाह और 37 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए, जिनके आधार पर न्यायालय ने कानाराम को दोषी ठहराया।

- मामला 2016 का है जब कानाराम ने परिवादी धर्मवीर सोनी से पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी

रेलकर्मी ने यात्री का मोबाइल लौटाया

कोटा, (निसं)। रेल कर्मचारी अपनी ड्यूटी निभाने के साथ कई बार ईमानदारीपूर्ण, जनसरोकार से जुड़े कार्य कर रेलवे का मान सम्मान बढ़ाते हैं जिसकी आम जनमानस द्वारा सराहना की जाती है। इसी कड़ी में बीते गुरूवार की रात गाड़ी संख्या 12955 पश्चिम एक्सप्रेस से पुणे निवासी जय नामक यात्री का मोबाइल फोन शामगढ़ के पास रेलवे ट्रैक पर गिर गया। जिसकी कीमत 40 हजार रूपये की थी। यात्री का मोबाइल फोन शामगढ़ रेलवे स्टेशन पर तैनात सिनीयर प्वांट्समैन बालाराम बनोधा को मिला। रेलकर्मी बनोधा ने ईमानदारी का परिचय देते हुए फोन में मौजूद नंबरों से यात्री से संपर्क किया और यात्री को सूचित करते हुए सुरक्षित मोबाइल फोन सुपुर्द कर दिया।

एनजीटी ने पानी की बर्बादी रोकने के निर्देश दिए

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेन्ट्रल जोनल बैंच भोपाल के न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह एवं विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की बैंच ने भीलवाड़ा शहर में पेयजल की बड़े पैमाने पर हो रही बर्बादी के संबंध में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के कार्यकारी अभियंता को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एनजीटी ने यह निर्देश पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता दीक्षा चतुर्वेदी के मार्फत दायर जनहित याचिका पर दिये।

जाजू ने याचिका में बताया कि पीएचईडी द्वारा अनेक स्थानों पर 50 वर्ष पूर्व पेयजल हेतु डाली गई पाइप लाइनें क्षतिग्रस्त होकर जंग लग चुकी है और इन पाइप लाइनों से प्रतिदिन अनुमानित 50 लाख लीटर पेयजल फिजूल बहकर बर्बाद हो रहा है। शहर में दो दर्जन से अधिक स्थान पानी के निरंतर रिसाव के कारण स्थिर जल जमाव वाले क्षेत्र बन गये हैं। जाजू ने बताया कि जितना पानी फिजूल बहकर बर्बाद हो रहा है इतने पानी से वंचित कॉलोनीवासियों को पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकता है। एनजीटी ने पीएचईडी भीलवाड़ा के कार्यकारी अभियंता को व्यक्तिगत रूप से प्रभावित स्थलों का दौरा कर जल के अपव्यय को रोकने हेतु तत्काल कार्रवाई कर पाइप लाइनों की मरम्मत एवं नये पाइप लाइन डालने और पालना रिपोर्ट एनजीटी में प्रस्तुत करने के आदेश के साथ ही मामले को निस्तारित किया है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने उदयपुर में पांच हजार विदेशी सिगरेट जब्त की

उदयपुर, (कासं)। जिले के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने शनिवार को विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस के तहत शहर की दुकानों पर कार्रवाई करते हुए विदेशी सिगरेट जब्त की है।

सीएमएचओ डॉ.अशोक आदित्य ने बताया कि उदयपुर में विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने शहर में बड़ी कार्रवाई की। दो दुकानों से 5000 से अधिक विदेशी सिगरेट जब्त की। कृषि मंडी स्थित दक्ष ट्रेडर्स स्टोर से 2000 और कालाजी गोराजी स्थित जी-9 शॉप से 3000 सिगरेट जब्त की गई। उन्होंने बताया कि जब्त की गई सिगरेट के पैकेट पर धूम्रपान जानलेवा है जैसी कोई चेतावनी या चित्र अंकित नहीं थे जो नियमानुसार अनिवार्य है। दुकानदारों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। कार्रवाई के दौरान डिप्टी सीएमएचओ विक्रम सिंह, कोटपा नोडल आफिसर प्रणव भावसार, औषधि नियंत्रक अधिकारी कुलदीप यदुवंशी, नेहा बंसल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह मौजूद थे।

सीएमएचओ ने बताया कि विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस से 15 दिवसीय विशेष पखवाड़े की शुरुआत हो चुकी है। इस दौरान जिले भर में तंबाकू मुक्त अभियान चलाया जाएगा। पंचायतों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए बीसीएमओ को निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने जिलेभर में टीमों का गठन कर दिया है जो दुकानों पर औचक निरीक्षण करेंगी। अवैध रूप से तंबाकू उत्पाद बेचने वाले और बिना चेतावनी वाले तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ चालान बनाए जाएंगे।

- विश्व तंबाकू नियंत्रण दिवस के तहत बिना चेतावनी वाली सिगरेट बेचने वालों पर कार्रवाई
- 15 दिवसीय विशेष पखवाड़े की शुरुआत हुई, जिले भर में तंबाकू मुक्त अभियान चलाया

पावरप्ले में तीन कैच टपकाने के बाद जीतना आसान नहीं होता। गेंदबाजों के लिये नियंत्रण करना आसान नहीं होता। हमारा संदेश साफ था कि अपने हिसाब से खेलो। साइ सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर से यही कहा गया था।

- शुभमन गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान, टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **रोहित शर्मा**

रोहित शर्मा में 300 सिक्स लगाने वाले पहले भारतीय बने। उनके अब 302 सिक्स हो गए हैं। रोहित ने कल 81 रन की पारी खेली। सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले प्लेयर्स में क्रिस गेल टॉप पर हैं, उन्होंने अपने 142 मैचों में कुल 357 छक्के लगाए हैं। तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिनके नाम 266 मैचों में 291 छक्के दर्ज हैं। चौथे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने 278 मैचों में 264 सिक्स लगाए हैं। वहीं, एबी डिविलियर्स ने 184 मैचों में 251 छक्के लगाकर इस सूची में पांचवां स्थान हासिल किया है।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 33 मुक़ाबलों में मुंबई इंडियंस को 17 जबकि पंजाब किंग्स को 16 में जीत मिली हैं।

मुंबई इंडियंस की विरासत का मुकाबला करेंगे पंजाब किंग्स

अहमदाबाद, 31 मई। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की दूधिया रोशनी में रविवार को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस एक लाख से अधिक दर्शकों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिये अपना सर्वस्व झोंकने के लिये उतरेंगे। दोनो टीमो के बीच क्वालीफायर2 का रोमांचक मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से खेला जायेगा। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुबंई को आईपीएल के मौजूदा संस्करण में लय में आने में समय लगा मगर बल्लेबाजी में गहराई और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने टीम को छठे खिताब के करीब लाकर खड़ा कर दिया है।

बुमराह 6.36 की कम इकॉनमी से 18 विकेट लेकर शानदार फॉर्म में हैं और उनकी यह ताकत रविवार रात क्वालीफायर 2 में अंतर पैदा कर सकती हैं। मुंबई एलिमिनेटर में गुजरात टाइटन्स पर 20 रन की शानदार जीत के बाद इस मुकाबले में बढ़त बनाए हुए है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में मौजूदा इकाई की बल्लेबाजी लाइनअप शानदार है। रोहित शर्मा ने सही समय पर लय पाई और 50 गेंदों पर 81 रन बनाए, जबकि विल जैक्स के प्रतिस्थापन के रूप में आए जॉनी बेयरस्टो ने 22 गेंदों पर 47 रन बनाकर शुरुआत में ही लय पा ली। इस बीच, सूर्यकुमार यादव ने 167.83 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 673 रन बनाकर क्रिकेट के तर्क को धता बताना जारी रखा है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा, हार्दिक और नमन धीर मजबूती प्रदान करते हैं, वहीं दीपक चाहर गेंद से शुरुआती बढ़त बनाने के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आ सकते हैं। बुमराह की सटीक गेंदबाजी और नई गेंद से बायें हाथ के ट्रेंट बोल्ट की स्विंग मुंबई की ताकत बनी हुयी है। हालांकि मुंबई अभी भी अपने चौथे गेंदबाजी विकल्प को लेकर सावधान रहेगी, क्योंकि पिछले गेम में रिचर्ड ग्लीसन ने निराश किया था।

दूसरी ओर पंजाब की टीम नए जख्मों से उबर रही है। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद क्वालीफायर 1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उनकी हार सदमे में डालने वाली थी। हालांकि पिछली हार को भुला कर पंजाब को कल ऐसे मैदान में उतरना होगा, जहां प्लेऑफ का अनुभवहीनता और स्कोरबोर्ड का दबाव टीमों को पूरी तरह से निगल सकता है। पंजाब के पास मैच जिताऊ खिलाड़ियों की कमी नहीं है। प्रभसिमरन सिंह (517) और प्रियांश आर्य (431) ने लीग की सबसे रोमांचक युवा ओपनिंग जोड़ियों में से एक बनाई है जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में 516 रन बनाकर अपनी खास पहचान बनाई है।

हालांकि उन्हें और भी बहुत कुछ चाहिए होगा। जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह को मौके का फायदा उठाना होगा। लीग चरण में एमआई के खिलाफ इंग्लिस की विस्फोटक 73 रन की पारी सबको याद होगी। अब इसे दोहराना सबसे ज्यादा मायने रखता है। अर्शदीप सिंह की अगुवाई में पंजाब के गेंदबाज विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोकने का पूरा प्रयास करेंगे। काइल जैमीसन ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था मगर युजवेंद्र चहल की अनुपस्थिति अभी भी खल रही है। अगर हरप्रीत बरार और अजमतुल्लाह उमरजई टिके रहते हैं, तो पंजाब फिर से उलटफेर कर सकता है।

अहमदाबाद ने अब तक पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा मिला है। यहां सात में से छह मैच लक्ष्य निर्धारित करने वाली टीम ने जीते हैं। इसलिये दोनों कप्तानों की निगाहें टॉस पर होंगी। मौसम विभाग के अनुसार आसमान साफ रहने और शुष्क गर्मी की उम्मीद है। दोनो टीमे चार बार एक दूसरे के सामने आयी हैं जिनमें दो-दो मैच हर टीम ने जीता है। पंजाब ने अपना 26 मई को अपना सबसे हालिया मुकाबला जीता था।

म्यूनिख पहुंचे आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह, यूएफा अध्यक्ष सेफरिन से की मुलाकात

नई दिल्ली, 31 मई। जय शाह पिछले साल आईसीसी चेयरमैन की कुर्सी पर बैठे थे। उसके बाद उन्होंने लगातार वैश्विक स्तर पर क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने का प्रयास किया है। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने से लेकर 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की एंट्री जैसे प्लान को सफल बनाने के लिए जय शाह प्रतिबद्ध दिखाई पड़े हैं। अब उन्होंने यूएई चैंपियंस लीग 2024-25 के फाइनल से पहले यूएफा के अध्यक्ष अलेक्जांडर सेफरिन से मुलाकात की है।चैंपियंस लीग का फाइनल मैच पेरिस सेंट जर्मेन और इंटर मिलान के बीच खेला जाना है। खिताबी भिड़ंत म्यूनिख के आलियांज अरीना में होगी, जिससे पहले आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि म्यूनिख में क्रिकेट के प्रतिनिधि के रूप में जाना उनके लिए सम्मान की बात रही।वहीं जय शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, म्यूनिख में क्रिकेट का प्रतिनिधि बनना गौरव का विषय रहा। चैंपियंस लीग के फाइनल से पहले यूएफा प्रेसिडेंट अलेक्जंडर सेफरिन से मिला। खेल जगत की बड़ी हस्तियों से मिलना हमेशा सम्मान की बात होती है और आईसीसी निरंतर क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि, इस साल जय शाह ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रेसिडेंट थॉमस बाक से मुलाकात की थी। 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक्स में क्रिकेट की वापसी होने वाली है, जिसमें कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार सिर्फ 6 टीम ही हिस्सा लेने वाली है।

नायर का दोहरा शतक, इंडिया-ए के पहली पारी में 557 रन

कैंटरबरी, 31 मई। करुण नायर (204) के दोहरे शतक की बदौलत भारत ए ने शनिवार को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को 557 रन बनाये जिसके जवाब में चायकाल तक इंग्लैंड ने एक विकेट 75 रन बना लिये थे। नायर ने 281 गेंद का सामना करते हुए 26 चौके और एक छक्का जड़कर 204 रन बनाए। भारत ए ने सुबह तीन विकेट पर 409 रन से आगे खेलना शुरू किया। नायर ने 186 रन से आगे खेलना शुरू किया और तेज गेंदबाज एडी जैक की गेंद पर कवर के ऊपर से चौका लगाकर 272 गेंद में 200 रन पूरे किए। नायर ने ध्रुव जुरेल (94) के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े। इससे पहले उन्होने सरफराज खान (92) के साथ 131 रन की भागीदारी की थी। नायर दोहरा शतक पूरा करने के बाद ज्यादा देर तक नहीं खेल पाए और तेज गेंदबाज जमान अख्तर की अंदर आती गेंद को दूर हटाने के प्रयास में जेम्स रियू के हाथों लपके गए। शार्दुल ठाकुर ने 27 और हर्ष दुबे ने 32 रन का योगदान दिया। खेल के दूसरे सत्र में भारत ए की पारी 125.1 ओवर में 557 रन बना कर सिमट गयी। जवाब में इंग्लैंड लायंस ने बेन मैककिने (16) का विकेट जल्दी खो दिया मगर टाम्स हेंस और एमीलियो गे ने न सिर्फ पारी को संवारा बल्कि लंबे स्कोर को ले जाने का संकल्प भी लिया।

राजस्थान के वुशू खिलाड़ी अमित, नीलम, ऋषभ, छवि, सुनील व तनवी का भारतीय वुशू टीम में चयन

जयपुर, 31 मई। मास्को, रूस में 1 से 7 जून 2025 तक आयोजित होने वाली मास्को स्टार वुशू चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम आज दिल्ली एअरपोर्ट से मास्को के लिये रवाना हुई। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि सीनियर टीम में अमित चौधरी 90 किलोग्राम भारवर्ग, छवि चौधरी 75 किलोग्राम भारवर्ग, नीलम चौधरी ट्रेडिशनल ननक्वान व ऋषभ परिहार ट्रेडिशनल ननक्वान तथा जुनियर टीम में सुनील 65 किलोग्राम भारवर्ग व विहानराज सक्सेना 45 किलोग्राम भारवर्ग तथा सबजुनियर टीम में तनवी दाधीच 39 किलोग्राम भारवर्ग में भारतीय वुशू टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, पदक की दावेदारी पेश करेंगे। खिलाडियों का भारतीय वुशू टीम में चयन होने पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजा राम मील, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच व सभी पदाधिकारियों ने पदक जीत कर आने की शुभकामनाएं प्रदान की।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

अंशुल गड़वाल के ऑलराउंड प्रदर्शन से जयपुरिया की आसान जीत

जयपुर, 31 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये पूल-जी के मैच में अंशुल गड़वाल 39 रन नाबाद व 20 रन पर 4 विकेट के ऑराउण्ड प्रदर्शन की बदोलत जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने नैना क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर नैना क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये सचिन मालव 28 रन, शुभम मीणा 27 रन, भरत शर्मा रन 26, अजय बेनीवाल 17 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन बनाये, गेन्दबाजी में जयपुरिया एकेडमी की ओर से अंशुल गड़वाल 20 रन पर 4 विकेट, मिहित अग्रवाल 17 रन पर 2 विकेट तथा स्वपत्निल चौधरी व करण प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। 134 रन के विजय लक्ष्य को लेकर उत्तरी जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने अंशुल गडवाल 39 रन नाबाद, अमित गौतम 36 रन रोहन राजवर 25 रन, राहुल खण्डेलवाल 22 रन, की मदद से विजय लक्ष्य 16 ओवर में 3 विकेट खोकर 139 रन बनाकर हासिल कर लिया, गेन्दबाजी में नैना एकेडमी की ओर से शुभम मीणा 21 रन पर 2 विकेट, सचिन मालव 24 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच अंशुल गड़वाल 39 रन नाबाद व 20 रन पर 4 विकेट जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी रहे।

एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत ने आठ स्वर्ण समेत 24 पदक जीते

गुमी, 31 मई। भारत ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कुल 24 पदकों के साथ अपने शानदार अभियान का समापन किया है। भारत के कुल 24 पदकों में आठ स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदक शामिल है। भारतीय दल पिछले सत्र में छह स्वर्ण समेत 27 पदक जीते थे। चैंपियनशिप के अंतिम दिन शनिवार को भारतीय एथलीटों ने तीन रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किये।

पारुल चौधरी आज महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 15.33 सेकंड (15:15.33 सेकंड) का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने इससे पहले 3000 मीटर मीटर स्टीपलचेज में भी रजत पदक जीता था। भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका। बागपत के खेकड़ा गांव निवासी सचिन का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.39 मीटर था।

पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20.32 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए कांस्य पदक जीता वहीं अभिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्राबनी नंदा और नित्या गंधे की चौकड़ी ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43.86 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया जो इस प्रतियोगिता में भारत का आखिरी पदक रहा। महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में एशियाई खेलों की पदक विजेता विथ्या ने भारत को दिन का दूसरा कांस्य पदक दिलाया। तमिलनाडु की 26 वर्षीय एथलीट ने 56.46 सेकंड का समय लेकर पोडियम स्थान हासिल किया। पूजा ने भारत के लिए दिन का तीसरा कांस्य पदक जीता।

उन्होंने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ 2:01.89 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ पूरी करके तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं की 200 मीटर की दौड़ में ज्योति याराजी 23.47 सेकंड के समय के साथ पांचवें जबकि नित्या गंधे 23.90 सेकंड के समय के साथ सातवें स्थान पर रहीं। याराजी ने इस सप्ताह की शुरुआत में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था।

जुमहुर की चुनौती को पार कर अल्काराज फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने शनिवार को बोस्निया और हर्जेगोविना के दामिर जुमहुर पर चार सेटों में कड़ी टक्कर के बाद फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। तीसरे दौर के मुकाबले में अल्काराज ने दो घंटे और 57 मिनट में 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की, जिसमें स्पेन के खिलाड़ी ने अनुभवी बोस्नियाई खिलाड़ी की मजबूत वापसी को रोकने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज़ ने लगातार दो सेटों में शानदार जीत दर्ज की और आक्रामक रिटर्निंग करते हुए जुमहुर की सर्विस पर दबाव बनाए रखते हुए तीन बार ब्रेक किया।

बोपन्ना-पावलसेक फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में

पेरिस, 31 मई। भारत के रोहन बोपन्ना और चेक जोड़ीदार एडम पावलसेक ने फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर के पुरुष युगल मुकाबले में फ्रांस के फैबियन रेबुल और सादियो डौम्बिया को 6-2, 7-6(5) से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। इंडो-चेक जोड़ी ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाया और अपनी शक्तिशाली सर्विस और रणनीतिक नेट प्ले का लाभ उठाते हुए 6-2 की बढ़त हासिल की। बोपन्ना के अनुभव और पावलसेक की चपलता ने शुरुआती मौकों का फायदा उठाते हुए फ्रांसीसी जोड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी। घरेलू दर्शकों से उत्साहित फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने दूसरे सेट में जबरदस्त वापसी की।

सिनर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को मात्र 94 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इतालवी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 2024 यूएस ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के बाद अब ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अपनी लकीर को 17 तक पहुंचा दिया है। इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर ने बेसलाइन से खेल को नियंत्रित किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को मुश्किल से ही कोई मौका दिया। सिनर ने शुरुआत में ही खेल में नियंत्रण हासिल कर लिया और 6-0, 5-0 की बढ़त बना ली।

गिगांटे को हराकर शेल्टन फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। 13वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने शनिवार को कोर्ट सिमोन-मैथ्यू में इटली के माटेओ गिगांटे को सीधे सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। शेल्टन ने बड़ी सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए गैरवरीय गिगांटे को दो घंटे से भी कम समय में 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार रोलांड गैरोस के दूसरे सप्ताह में प्रवेश किया। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने 10 ऐस लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट में से 79 प्रतिशत जीते, 11 मौकों में से पांच बार गिगांटे को तोड़ा। शेल्टन के बेहतरीन बेसलाइन प्ले ने उन्हें रिटर्न पर 44 पॉइंट जीतने में मदद की, जबकि इतालवी खिलाड़ी ने 25 पॉइंट जीते। गिगांटे ने तीसरे दौर तक जोशपूर्ण प्रदर्शन किया था, अपने प्रतिद्वंद्वी की ताकत और सटीकता से मुकाबला करने में संघर्ष करते रहे।

युद्धवीर सिंह होंगे भारतीय टीम के मैनेजर

नयी दिल्ली, 31 मई। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के निदेशक रह चुके युद्धवीर सिंह भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में मैनेजर की भूमिका निभायेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सिंह को इंग्लैंड दौरे के लिये भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी जिसका पहला मैच 20 जून से लीड्स में शुरू होगा। इस दौरे में टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपी गयी है जबकि रिषभ पंत उपकप्तान बनाये गये हैं।

लालित भाई पटेल ने वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में जीते तीन स्वर्ण पदक

अहमदाबाद, 31 मई। गुजरात के अहमदाबाद के लालितभाई पटेल ने वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। पावरलिफ्टिंग चैंपियन 56 साल के पटेल ने थाईलैंड में 10 से 12 मई के बीच आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्क्वाट, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हुए उन्होंने कुल 405 किलोग्राम भार उठाया। वह इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले गुजराती बन गए हैं। इस वैश्विक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आईबीएफएफ द्वारा तय की गई कठिन पात्रता शर्तों को पार करना होता है। इसके लिए किसी खिलाड़ी को पहले जिला चैंपियन बनना आवश्यक है, साथ ही राज्य स्तर पर कम से कम पाँच बार चैंपियनशिप जीतना और राष्ट्रीय स्तर पर तीन स्वर्ण या तीन रजत पदक हासिल करना अनिवार्य है।

जयदीप बिहाणी द्वारा आरसीए सीनियर, जूनियर पुरूष-महिला चयन कमेटी घोषित

तीन अलग-अलग सिलेक्शन कमेटियों का गठन किया, चंद्रकांत को बनाया कॉर्डिनेटर

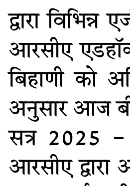

जयपुर, 31 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी ने बताया की17 मई 2025 को आयोजित राजस्थान क्रिकेट संघ के असाधारण सभा के द्वारा विभिन्न एजंडोव कमेटियांमें गठन हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी को अधिकृत करने के निर्णय के अनुसार आज बीसीसीआई के घरेलु क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की पूर्व तैयारियों व आरसीए द्वारा आयोजित होने वाली विभिन्न आयु वर्ग की पुरुष- महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाडियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने हेतू राजस्थान सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला चयन कमेटी का गठन किया गया। जयदीप बिहाणी सभी कमेटियों के संयोजक व विमल शर्मा सह संयोजक होंगे। चंद्रकांत बोधा को सभी चयन कमेटियों का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

घोषित आरसीए चयन कमेटी

सीनियर चयन कमेटी (पुरुष)
विलास जोशी - चैयरमेन
शैलेन्द्र सिंह गहलोत - सदस्य
दीपक नाथ माथुर - सदस्य
ज़ाकिर हुसैन - सदस्य
शमशेर सिंह - सदस्य

जूनियर चयन कमेटी (पुरुष)

अनूप दवे - चेयरमैन
मनीष सिंह - सदस्य
योगेश माथुर - सदस्य
सिद्धार्थ जोशी - सदस्य

महिला चयन कमेटी

पूनम यादव - चेयरमैन
माया जाट - सदस्य
कोमल चौधरी - सदस्य
ममता वर्मा - सदस्य

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् को खेल निदेशालय में मर्ज करने को लेकर ज्ञापन

जयपुर, 31 मई। घीसाराम शर्मा, महासचिव, ''स्टेट अवार्डी'' प्रस्तावक एवं राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल के सेवानिवृत्त स्टेडियम द्वारा राज्य सरकार द्वारा बजट 2025 में ''खेल निदेशालय'' की घोषणा के क्रम में युवा व खेल एवं खिलाड़ियों के हित में प्रदेश के खेल जगत में सर्वोच्च संस्था, ''राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्'' को खेल निदेशालय में मर्ज करने को लेकर एक ज्ञापन दिया गया है, जिसके संबंध में तथ्यात्मक विवरण प्रस्तुत किए गए है जिनमें मांग की गई है कि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की राज्य सरकार द्वारा संवैधानिक स्थापना एवं गठन दिनांक 18 फरवरी 1957 को किया गया था तथा राजस्थान कॉ-ऑपरेटिव एक्ट के तहत इसका रजिस्ट्रेशन 14 जुलाई 1969 में हुआ था।

राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को ही खेल निदेशालय में मर्ज किये जाना प्रस्तावित है।

1. राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को दी जाने वाली शत्: प्रतिशत आर्थिक अनुदान राशि खेल निदेशालय को स्थानांतरित / हस्तानांतरित की जा सकती है।

2. राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल में कर्मचारी भर्ती एवं सेना से संबंधित राजस्थान सेवा नियम 1976 से (आर एस आर) लागू है। यथा-स्टेट इंश्योरेंस, पेंशन, जी.पी. एफ. मेडिकल आदि।

3. कर्मचारी एवं अधिकारी / स्टाफ की सेवाएँ स्थानांतरित / मर्ज की जा सकती है।

4. खेल मंत्रालय / विभाग, राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल, यूथ बोर्ड एवं खेल निदेशालय का एकीकरण किया जाना उचित होगा। इससे राज्य सरकार पर व्यय-भार भी नहीं पड़ेगा।

5. यदि पृथक से कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भर्ती की जाती है तो इससे राज्य सरकार पर व्यय-भार में वृद्धि होगी अर्थात आर्थिक / अनुदान राशि पर मार पड़ेगा। कार्य का अनुभव अभाव होगा।

6. निदेशक, अतिरिक्त / संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, सहायक निदेशक आदि आई.ए.एस. एवं राजस्थान प्रशासनिक सेवा से नियुक्ति / प्रतिनियुक्ति पर लिये जा सकते है। शेष अनुमवी पद/ स्टाफ मय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मय तकनीकी सहायक आदि राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को यथावत रखा जा सकता है।

7. परिषद् की खेल मैदानों, तरणतालों द्वारा होने वाली आर्थिक आय राज्य सरकार के कोषालय में जमा होती है।

8. राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल की स्थायी परि-सम्पत्तियाँ सम्पूर्ण प्रदेश में स्थित चल / अचल स्थायी परि-सम्पत्तियाँ राज्य सरकार को पहले से ही स्थानांतरित / हस्तानांतरित की जा चुकी है।

घीसाराम ने मांग की है कि निष्कर्ष के तौर पर एवं उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए परिषद् को खेल निदेशालय में मर्ज किया जा सकता है। चूंकि उदाहरण के तौर पर राज्य सरकार के कॉलेज शिक्षा / शिक्षा विभाग में कई अनुदानित स्कूल व कॉलेजों को शिक्षा विभाग/ शिक्षा निदेशालय में मर्ज किये जाने की जानकरी प्राप्त हुई है। उपरोक्त तथ्यों का समग्र अध्ययन किये जाने के परिणाम स्वरूप राज्य सरकार द्वारा बजट 2025 की घोषणा की पालनार्थ खेल निदेशालय में राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को मर्ज कर ''खेल निदेशालय'' ही बनाया जाना प्रस्तावित है।

शांति एशियाटिक स्कूल बना चैम्पियन

जयपुर, 31 मई। ओशियन एकेडमी द्वारा आयोजित ट्राइन्गुलर सीरिज के फाइनल मैच में हैसी स्पॉटस को शान्ति एशियाटिक स्कूल ने 9 विकेट से हराया। शान्ति एशियाटिक के आर्यन कुमावत की घातक गेदबाजी (6 विकेट) के आगे हैसी स्पोर्टस 115 रनो पर सिमट गयी जिसमे गौरव मीणा के 45 रनो का योगदान रहा। शान्ति एशियाटिक स्कूल के ओशनिक ग्रोवर 26 बॉल पर 55 रनो की नाबाद नील यादव 27, रौनक गुप्ता 10 रनों की पारियो से महज 10 ओवर मे जीत लिया। टूर्नामेन्ट के बेस्ट बेट्समैन कुशाग्र ओझा, बेस्ट बॉलर आर्यन कुमावत, बैस्ट फिल्डर उत्सव शर्मा और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेन्ट ओशनिक ग्रोवर को चुना गया।

आठ साल के शिवाय को प्रथमेश, अर्नव और सुशांत के साथ संयुक्त बढ़त

जयपुर, 31 मई। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मात्र आठ साल के शिवाय सिंह ने शनिवार को यहां चल रही रॉयल जयपुर अंडर-1800 क्लासिकल फिडे रेटिंग चेक टूर्नामेंट के दूसरे दिन राजस्थान की आशी उपाध्याय को मात देकर संयुक्त बढ़त बना ली। शिवाय पांचवें राउण्ड की समाप्ति के बाद महाराष्ट्र के प्रथमेश धर्माधिकारी, हरियाणा के अर्नव गोयल और दिल्ली के सुशांत सिंह के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। चारों खिलाड़ियों के पांच-पांच अंक हैं। राजस्थान के अर्पित सक्सेना, मध्य प्रदेश के आरव पोरवाल, बंगाल के अरित्र्या पाल, गुजरात के रोहित राजकुमार, राजस्थान के अगम सुराणा और काव्यांश जैन, उत्तर प्रदेश के आरव अग्रवाल और गर्वित जैन, गुजरात की तान्या साबू और मध्य प्रदेश के ब्रजेश कुमार उपाध्याय समान रूप से 4.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। पांचवें राउण्ड के मुकाबलों में प्रथमेश धर्माधिकारी ने दिल्ली के ध्रुव गुप्ता को, अर्नव गोयल ने उत्तर प्रदेश के आरव गुप्ता और सुशांत तिवारी ने राजस्थान के महेन्द्र सिंह को पराजित किया। राजस्थान के अर्पित सक्सेना और उत्तर प्रदेश के गर्वित जैन तथा राजस्थान के अगम सुराणा और उत्तर प्रदेश के गर्वित जैन के बीच बाजी बराबरी पर छूटी। राजस्थान के काव्यांश जैन ने हरियाणा के फलांश को, बंगाल के अरित्र्य पाल ने मध्य प्रदेश के आरव माहेश्वरी को, ब्रजेश उपाध्याय ने राजस्थान के मुकेश मंडलोई को और आरव पोरवाल ने दिल्ली के राहुल सूरी को पराजित किया। राजस्थान के महेन्द्र सिंह, ओजस माहेश्वरी, विभोर चोपड़ा, वीर कुमार, आशी उपाध्याय, यजत व्यास, विभोर अटल, हितार्थ शर्मा, पवन सैन, अमित भार्गव और शौर्य भार्गव के पांच राउण्ड के बाद 4-4 अंक हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित किया और महिला स्वास्थ्य को समर्पित गर्भ की पाठशाला योजना की शुरूआत की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मौजूद थीं।

अहिल्या बाई ने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित किया: नड्डा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने महिला महासम्मेलन में अहिल्या बाई को नारी शक्ति का प्रतीक बताया

- **केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि अब दोषारोपण के बजाए समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जवाबदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।**
- **समारोह से पहले केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का माल्यार्पण व पौध रोपण किया।**

जयपुर, 31 मई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है, उन्होंने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया। उन्होंने जीवन में महिला उत्थान को ही अपना लक्ष्य माना।

नड्डा शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उनकी 300वीं जयंती पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों को महिला शक्ति को समर्पित किया है।

नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की तस्वीर बदली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने राजनीति की संस्कृति को बदलने का काम किया है। अब दोषारोपण के बजाय समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जबावदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 18वीं सदी में देवी अहिल्याबाई जी अपने साहस एवं बुद्धिमत्ता से नारी शक्ति की प्रतीक बनीं। उन्होंने महिला शिक्षा, धर्म, और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दिया। काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सोमनाथ मंदिर और देशभर में अनेक तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार उनके धार्मिक और सांस्कृतिक योगदान का प्रतीक है।

शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाली वंचित वर्गों की लड़कियों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, 5 कस्तूरबा गांधी बालिका शिक्षा विद्यालय का लोकार्पण-शिलान्यास और 2 जनजाति बालिका आश्रम छात्रावासों का लोकार्पण किया गया है तथा महिला स्वास्थ्य को समर्पित "गर्भ की पाठशाला योजना" एवं स्वस्थ नारी चेतना अभियान की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सांसद व प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

पूर्व में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पौधारोपण किया।

करोना से पिछले 24 घंटे में चार की मौत

नयी दिल्ली, 31 मई। देशभर में कोराना से संक्रमित मामलों में तेजी देखी जा रही है, शनिवार सुबह तक कोराना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 3395 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार मरीजों की मौत हुई है।

केन्द्रिय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 3395 सक्रिय मामले हैं। अभी तक 1435 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 26 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 685 सक्रिय मामले सामने आये हैं और 265 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिली है लेकिन इस अवधि के दौरान चार लोगों की जान चली गयी। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा, कर्नाटक, केरल और उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की कोरोना से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज दोहराया कि देश में कोविड संक्रमण की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं हैं। कुल सक्रिय मामलों के सबसे अधिक 1336 केरल में और उसके बाद 467 महाराष्ट्र में हैं। दिल्ली में 375 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185, उत्तर प्रदेश में 117, राजस्थान में 61, पुडुचेरी में 41, हरियाणा में 26, आंध्र प्रदेश में 17, मध्य प्रदेश में 16, गोवा से आठ, ओडिशा में सात, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ से छह-छह, पंजाब में पांच, उत्तराखंड, मिजोरम और असम में दो-दो और चंड़ीगढ़ में कोरोना का एक सक्रिय मामला है।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में गिद्धों का कुनबा बढ़ा

वन विभाग ने गिद्धों की नैस्टिंग की पुष्टि की

- **वन कर्मियों ने बताया कि टाइगर रिज़र्व के झारबंधा क्षेत्र में गिद्धों के बच्चे भी दिख रहे हैं।**
- **पर्यावरण संरक्षण में गिद्धों की अहम् भूमिका को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में गिद्धों के संरक्षण का काम शुरु किया, जिसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं।**

बून्दी, 31 मई (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में बाघों के साथ साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ने लगा है। टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र के झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्धों की नैस्टिंग सामने आई है तथा इनके बच्चे उड़ान भरना सीख रहे हैं। गत शुक्रवार को टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में गिद्ध के एक बच्चे को उड़ान भरने की कोशिश करते देखा गया। गश्त कर रहे वनकर्मियों ने उसे घायल समझा और उसे बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की और स्वस्थ बताया। वन विभाग ने गिद्ध को अपनी सुरक्षा में ले लिया है और जल्दी ही वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इसी प्रकार, टाइगर रिज़र्व क्षेत्र के कोर 2 में भी एक नन्हा गिद्ध दो दिन पहले वन विभाग ने पकड़ा था और उसे कोटा चिड़ियाघर में लेकर गए, जहां से उसे वापस उसी स्थान पर रिलीज़ कर दिया।

बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में बाघों के साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ ने लगा है। यहां झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्ध का एक बच्चा उड़ने की कोशिश कर रहा था जिसे वनकर्मी घायल समझकर बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की।

रैस्क्यू टीम के प्रभारी बुद्धराज सिंह हाड़ा व कुलदीप सिंह हाड़ा ने बताया कि टाइगर रिज़र्व में झारबंधा सहित, अन्य जगहों पर गिद्धों की नैस्टिंग देखी जा रही है तथा इनकी संख्या भी लगातार बढ़ रही है। पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्वपूर्ण घटक गिद्धों की संख्या का बढ़ना बूंदी में इको टूरिज्म के लिए शुभ संकेत है। गौरतलब है कि टाइगर रिज़र्व प्रबंधन ने जिले में गिद्धों के संरक्षण की योजना पर काम शुरू किया था, और इसके परिणाम भी दिखने लगे हैं। भीमलत क्षेत्र के जंगलों में भी गिद्धों की तादाद लगातार बढ़ रही है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जिले में गिद्धों का कुनबा बढ़ेगा।

सेना ने शुरु किया अत्याधुनिक ''डिफ्रैंस टैक्नॉलजी'' का परीक्षण अभियान

- **पोकरण फील्ड फायरिंग रेज में मानव रहित विमानों, ड्रोन, बम व राडार सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है।**
- **मध्यप्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज, उत्तराखंड के जोशीमठ और देश के कई अन्य भागों में यह परीक्षण अभियान चल रहा है।**
- **थल सेनाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी ने बबीना फील्ड फायरिंग रेंज के परीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की।**

नयी दिल्ली, 31 मई। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीय सेना अगली पीढ़ी की कई रक्षा प्रौद्योगिकियों का परीक्षण कई क्षेत्रों में करीब-करीब युद्ध जैसी परिस्थितियों में कर रही है।

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज, मध्य प्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज और उत्तरा खंड में जोशीमठ सहित देश में विभिन्न परीक्षण स्थानों पर मानवरहित हवाई प्रणालियों, ड्रोन, आड़े-तिरछे उड़ान पथ से प्रहार करने वाले बम, कम ऊँचाई वाले वायु क्षेत्र पर निगाह रखने वाले आधुनिक राडार आदि के परीक्षण किये जा रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञिप्त में कहा गया है कि सेना व्यापक प्रतिरक्षा क्षमताओं का विकास और परीक्षण कर रही है। इनमें बड़ी संख्या में रक्षा उपकरण निर्माण इकाइयां भी भाग ले रही हैं।

आगरा और गोपालपुर में विशेष वायु रक्षा उपकणों का प्रदर्शन किया जायेगा। इन अभियानों में करीब-करीब वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन किया जा रहा है। इन परीक्षणों में अलग अलग इलेक्ट्रानिक सिमूलेशन को समन्वित कर नयी विकसित प्रौद्योगिकियों की क्षमता का आकलन किया जा रहा है।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे परीक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा सभी हितधारकों के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने कहा है कि ये परीक्षण भारतीय सेना के परिवर्तन के दशक की वृहद योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है और इनका उद्देश्य उभरती युद्धक परिस्थितियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का तेजी से समावेशन सुनिश्चित करना है।

विज्ञिप्त के अनुसार इन परीक्षणों में अगली पीढ़ी की मानवरहित हवाई प्रणालियां (यूएएस), यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम), रनवे इंडिपेंडेंट (आरडब्ल्यूआई), रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम (आरपीएएस), यूएएस मारक समाधान, यूएवी बम, सीधे ऊंचाई प्राप्त करने वाले स्पेशलाइज्ड वर्टिकल लॉन्च (एसवीएल) ड्रोन, सटीक बहुयुद्धक सामग्री वितरण प्रणालियां, एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), निम्न ऊंचाई पर वायु क्षेत्र की निगरानी के लिये हल्के वजन वाले रडार, वीएसएचओआरएडीएस (अगली पीढ़ी के) आईआर सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

पेड़ काटने के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्ति का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को स्वच्छ और हरा - भरा रखे। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि नगर पालिका, झालरापाटन ने बीते साल याचिकाकर्ता के खिलाफ झालरापाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता ने सुभाष नगर में नगर पालिका की ओर से संधारित पार्क से कुछ पेड़ काटे हैं। याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ राजनीतिक द्वेषता से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वहीं, वह अनुसंधान में सहयोग को तैयार है। इसके अलावा, प्रकरण में उसे गिरफ्तार कर पूछताछ जैसा कोई अपराध नहीं है।

इसलिए उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को सशर्त अग्रिम जमानत का लाभ देते हुए उसे उसी पार्क में पन्द्रह पौधे लगाने को कहा है।

'हाँ, हमने पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्रालय के अधीस्थ एक रिसर्च ग्रुप ने इस महीने कहा था कि चीन ने पाकिस्तान को, भारत के साथ लड़ाई के दौरान, एयर डिफेन्स और सैटेलाइट सपोर्ट उपलब्ध कराया था।

भारतीय सैन्य प्रमुख ने कहा, "हमने सीमा के 300 किमी अंदर स्थित, हवाई हमलों से जबरदस्त सुरक्षित पाकिस्तान के एयर फील्ड्स पर, एक मीटर की सटीकता के साथ, सटीक स्ट्राइक की।"

भारत और पाकिस्तान ने इस लड़ाई के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सोच को प्रभावित करने के लिए दुनिया के अनेक देशों की राजधानियों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। चौहान ने कहा कि संघर्ष विराम अब भी बना हुआ है तथा इसका बना रहना पाकिस्तान की आगे की कार्यवाहियों पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा "हमने अपनी रैडलाइन्स स्पष्ट कर दी हैं।"

बागीदौरा विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने कहा कि आरोपी ही रिश्वत राशि को मौके से लेकर गया था।

प्रकरण में अनुसंधान चल रहा है और यदि उसे जमानत दी गई तो वह साक्ष्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए उसकी जमानत अर्जी खारिज की जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी थी कि एमएलए ने टोडाभीम क्षेत्र में स्थित उसकी खानों को लेकर विधानसभा में सवाल लगाए थे। इन सवालों को वापस लेने की एवज में एमएलए 2.50 करोड़ रुपए मांग रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने एमएलए और उसके चचेरे भाई सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

उत्तर पश्चिम राज्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपातकालीन तैयारियों और सुरक्षा प्रशिक्षण के तहत इस ड्रिल का आयोजन किया गया।

उधर राजस्थान में जयपुर में मॉक ड्रिल के दौरान घरों, प्रतिष्ठानों, कार्यालयों और वाहनों की लाइटें बंद कर नागरिकों ने इस प्रयास में विशेष सहयोग दिया। हरियाणा में राज्य भर के 22 जिलों में आयोजित सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल में हवाई हमलों के दौरान आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

विधायक अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण मामले में दो साल की सजा

मऊ, 31 मई। उत्तर प्रदेश की मऊ सदर सीट से विधायक और पूर्व माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण के मामले में शनिवार को यहां विशेष अदालत ने दो साल की कैद और 11 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मऊ सदर विधानसभा सीट से 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान, चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने 03 मार्च 2022 की शाम नगर क्षेत्र के पहाड़पुरा मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि चुनाव के बाद जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को रोककर सबक सिखाया जाएगा। समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने के बाद किसी का तबादला नहीं किया जाएगा।

'सीडीएस के बयान से साफ है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है'

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि सरकार को विशेष संसद सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए**
- **ज्ञातव्य है कि चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ अनिल चौहान ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में भारतीय लड़ाकु विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की थी।**

नयी दिल्ली, 31 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि है कि सिंगापुर में प्रमुख सेना अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर जो कुछ कहा है, उससे साफ हो गया है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है, इसलिए उसे पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की पूरी स्थिति पर संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

खड़गे ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई से जुड़े मुद्दे का कोहरा अब छंट रहा है। सिंगापुर में सीडीएस के साक्षात्कार के बाद कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हुए हैं और इन सवालों को पूछना आवश्यक हो गया है, इसलिए सरकार को तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सैन्य कार्रवाई को लेकर अब जो परतें खुलकर सामने आ रही हैं, उनसे साफ है कि मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। सीडीएस ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में कहा है कि हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान जरूर हुआ, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। हमारे सभी जेट विमानों ने निशाना साधते हुए लंबी दूरी की उड़ान भरी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सेना के दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हुये कहा कि सैन्य कार्रवाई के बाद पूरी स्थिति पर एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की मांग है। उनका कहना था कि कारगिल युद्ध के समय एक समीक्षा समिति गठित की गई थी और उसकी तर्ज पर आज भी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिये, जो हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा करे।

'समर्पित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, आपने देखा है कि पहले सरकारें कैसे चलती थीं, उनकी सोच क्या थी - सबके सामने है। अगर दिन और रात का फर्क हो, तो दिन को ही पसंद करना चाहिए। यही अंतर हमारी और उनकी सरकार में है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, हमारी सरकार जनसेवा के लिए काम करती है, न कि स्वार्थ के लिए।

सेना प्रमुख ने जम्मू में सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 31 मई। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू के परगवाल सेक्टर के दौरे के दौरान, परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और ऑपरेशन सिंदूर में पूर्व सैनिकों की भूमिका की सराहना की।

जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने यहां कहा, सीओएएस जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के परगवाल सेक्टर में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और टाइगर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों की सराहना की।

उन्होंने उभरती सुरक्षा गतिशीलता के जवाब में चुस्त और सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने भारतीय सेना के साथ सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के घनिष्ठ परिचालन एकीकरण की भी प्रशंसा की।

'मुझे गर्व है कि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहता हूं। मैं अपने लोगों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने शांति की बात की, हमने कहा, हम उन लोगों के साथ ट्रेड नहीं कर सकते, जो एक दूसरे पर गोली चला रहें हैं और आगे चल के उनमें परमाणु युद्ध भी हो सकता है।

ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान के नेता बहुत महान हैं। वे हमारी बात समझ गए और मान गए और युद्ध रूक गया। यह बयान भारत को पाकिस्तान को समकक्ष रखे जाने के विरूद्ध नई दिल्ली के कूटनीतिक प्रयासों के खिलाफ है।

अमेरिकी प्रशासन भारत और पाक को एक ही वर्ग में रख रहा है। हम दूसरों को लड़ने से रोक रहे हैं, क्योंकि हम उनसे किसी भी अन्य देश के मुकाबले ज्यादा अच्छी तरह लड़ सकते है। हमारे पास विश्व की महानतम सेना और महानतम नेता हैं।

भारत लगातार कह रहा है कि सीजफायर पर सहमति दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स के बीच की वार्ता के बात बनी थी।

अब, कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 3 जून को वाशिंगटन डीसी पहुंचेगा, जहां वह अमेरिकी सांसदों और अधिकारियों को भारत की आतंकवाद विरोधी नीति और पाकिस्तान के साथ संघर्ष की असलियत से अवगत कराएगा।

भारत की ओर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी स्पष्ट किया जा रहा है कि हालिया संघर्ष इस्लामाबाद के आरोपों के विपरीत, भारत की ओर से नहीं, बल्कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था।

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालिया संघर्ष में भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खोए हैं।

तथापि, सी.डी.एस. जनरल चौहान ने जोर देकर कहा कि कितने विमान खोए गए, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह ज़रूरी है कि हमने रणनीतिक स्तर पर कुछ गलतियाँ की थीं और उनसे सबक लेकर तत्काल सुधार किया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने कई भारतीय राफेल विमानों को मार गिराया है।

शांग्री-ला कॉन्फ्रैंस अब एशिया का एक सबसे प्रतिष्ठित और प्रभावशाली सामरिक सम्मेलन बन चुका है, जिसमें पूरे क्षेत्र के शीर्ष रक्षा अधिकारी शामिल होते हैं।

महत्वपूर्ण बात है कि इस वर्ष चीन ने इस संवाद से लगभग दूरी बना ली, और केवल एक शैक्षिणक संस्थान के माध्यम से निम्न स्तर का प्रतिनिधिमंडल भेजा। आम तौर पर चीनी रक्षा मंत्री को सम्मेलन में एक पूरे सत्र के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है, और पिछले पांच सालों से वो इसमें भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन में उच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व से दूरी बनाना इस बात का संकेत है कि चीन ने जानबूझकर अमेरिका के रक्षा सचिव के साथ संवाद से बचने की रणनीति अपनाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले सम्मेलन के कार्यक्रम में चीनी मंत्री का नाम था जिसे बाद में हटा दिया गया।

पीट हैगसथ का भाषण, जिसमें उन्होंने चीन की गतिविधियों के संदर्भ में एशिया की रक्षा व्यवस्था की बात की, एशियाई देशों के लिए एक नया रक्षा एजेंडा तैयार करता है। उन्होंने कहा कि चीन एशिया की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को बदलने की पूरी कोशिश कर रहा है।

हैगसथ ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों और पूरे समुद्री मार्ग पर कब्जा करने की उसकी कोशिशों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस प्रकार की एकतरफा भू-राजनीतिक दावेदारी को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश ''फोर्स मल्टीप्लायर'' बनें और अपने सैन्य संसाधनों को बढ़ाएं। उन्होंने नाटो और यूरोप की मिसाल देते हुए कहा, "हम आग्रह नहीं कर रहे, बल्कि हम ज़ोर दे रहे हैं - कि हमारे साझेदार अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करें।"

साथ ही उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि चीन को उत्तर कोरिया का समर्थन प्राप्त है, जो स्वयं अब समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में, भारत को एशियाई रक्षा संरचना में एक प्रमुख भूमिका निभानी होगी, विशेषकर समुद्री क्षेत्र में। चाहे भारत माने या नहीं, लेकिन चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए भारत को इस गठजोड़ का हिस्सा बनना ही होगा।

भारत के लिए यह इसलिए और भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन पाकिस्तान को "ऑल वेदर फ्रैंड" के रूप में इस्तेमाल कर रहा है ताकि भारत की पश्चिमी सीमा पर दबाव डाला जा सके। चीन ने पाकिस्तान को भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और सैन्य सहायता प्रदान की है।

अब तटस्थ बने रहने का समय खत्म हो चुका है, और भारत को इन मुद्दों पर खुले रूप में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

मोदी आक्रामक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था जैसे अहम आर्थिक मुद्दों से ध्यान भटकाने का भी काम कर रही है। मोदी के भाषणों में राष्ट्रीय गर्व और बाहरी ख़तरों पर ज़ोर दिया जा रहा है, जिससे आर्थिक बहसें पीछे छूट जाती हैं। उनकी यह रणनीति विपक्ष को भी रक्षात्मक मुद्रा में ला देती है; सैन्य रणनीति की कोई भी आलोचना या संघर्षविराम पर सवाल उठाना राष्ट्रविरोधी कहे जाने के खतरे को न्योता देता है, इस लेबल का मोदी पहले भी असहमति को दबाने के लिए प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कर चुके हैं। इसके अलावा, इन रैलियों को एक संभावित चुनाव परिणाम की पृष्ठभूमि तैयार करने के कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। यदि भाजपा का प्रदर्शन कमज़ोर रहा, तो मोदी यह तर्क दे सकते हैं कि यह पराजय एक बंटे हुए राष्ट्र या कमज़ोर विपक्ष के कारण थी, न कि नीति की असफलता के कारण। नेता के पीछे एकजुट देश की छवि हारने पर भी उनका राजनैतिक महत्व बनाए रख सकती है। असल में, मोदी की मौजूदा रैली मुहिम एक बहुस्तरीय रणनीति है-जिसका उद्देश्य है उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा की छवि को बचाना, असहमति को दबाना, विदेश नीति और आर्थिक मुद्दों से ध्यान हटाना, और एक उच्च दांव वाले चुनावी माहौल में भाजपा के मुख्य राष्ट्रवादी संदेश को मज़बूत करना।

'बीकानेर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गरिमा को प्राप्त किया। योजनाबद्ध युद्धाभ्यास और क्रियान्वयन से यह सिद्ध किया कि बीएसएफ राष्ट्र की प्रथम रक्षा पंक्ति है। डीआईजी लूथरा ने कहा- हम हर चुनौती को दुश्मन की आंखों में झांकते हुए स्वीकार करते हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908